●वर्ष : 16 ●अंक : 175 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक
लोकतंत्र की शान
लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 13 अक्टूबर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

असत्य पर सत्य की जीत...आज शहर-शहर रावण दहन

लाल किला ग्राउंड के कार्यक्रम में शामिल हुए राष्ट्रपति और पीएम

नूना न्यूज एजेंसी

शनिवार को पूरे देश में विजयादशमी हर्षोल्लास और आनंद के साथ मनाई जा रही है। वहीं, इसमें हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के माधव दास पार्क में श्री धार्मिक लीला समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने पार्क में भगवान राम, लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे कलाकारों के माथे पर तिलक लगाया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांकेतिक रूप से रावण पर तीर भी चलाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत ने कभी किसी देश पर घृणा या द्वेष के कारण आक्रमण नहीं किया, लेकिन अगर इसके हितों को खतरा हुआ तो हम बड़ा कदम उठाने में संकोच नहीं करेंगे। विजयादशमी के अवसर पर सिंह ने पश्चिम बंगाल के सुकना सैन्य स्टेशन पर शस्त्र पूजा की और कहा कि यह अनुष्ठान एक स्पष्ट संकेत है कि यदि आवश्यकता हुई तो हथियारों व उपकरणों का पूरी ताकत से उपयोग किया जाएगा। सुकना स्थित 33 कोर को त्रिशक्ति कोर के नाम से जाना जाता है। यह सिक्किम सेक्टर में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में शोभा यात्रा में शामिल हुए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने दशहरा समारोह में भाग लेने के लिए गोरखपुर के रामलीला मैदान में भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की भूमिका निभा रहे कलाकारों के माथे पर 'तिलक' लगाया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला यहां दशहरा समारोह में शामिल होने के लिए श्रीनगर के एसके स्टेडियम पहुंचे। विजयादशमी, या दशहरा, हर साल नवरात्रि के अंत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्योहार है। यह अश्विन महीने के दसवें दिन मनाया जाता है, जो हिंदू चंद्र-सौर कैलेंडर में सातवां दिन है। यह त्योहार आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के सितंबर और अक्टूबर महीने में आता है। विजयादशमी का त्यौहार देश के लगभग हर हिस्से में मनाया जाता है, और इसके साथ कई कहानियाँ जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे लोकप्रिय भगवान राम द्वारा रावण की हार है, जो भारत में सबसे प्रतिष्ठित देवताओं में से एक है। यह त्योहार रोशनी के महत्वपूर्ण त्योहार दिवाली की तैयारी भी शुरू कर देता है, जो विजयादशमी के बीस दिन बाद मनाया जाता है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

'तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं बचेगा', कहने वाली महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं बचा

पहले इस साल हुए लोकसभा चुनावों में और अब जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जो झटका लगा है उसके चलते इस पार्टी के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। देखा जाये तो अपने संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद से पीडीपी एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने पार्टी और सरकार की कमान तो संभाली लेकिन ना वह सरकार चला पाईं ना ही अपनी पार्टी को आगे बढ़ा पाईं। महबूबा मुफ्ती के पास कितना राजनीतिक कौशल है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ वर्षों तक काम कर चुके कई बड़े नेता पीडीपी छोड़ चुके हैं। इसके अलावा, इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव हार गयीं और अब उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से चुनाव हार गयीं। यही नहीं, महबूबा ने अपने भाई तस्सदुक हुसैन मुफ्ती को भी राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहीं। हम आपको याद दिला दें कि महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। इस बार महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने या किंगमेकर बनने के उद्देश्य से चुनाव लड़ा था लेकिन जनता ने उनकी किसी उम्मीद को पूरा नहीं होने दिया। जनता ने जिस तरह पीडीपी के गढ़ माने जाने वाले बिजबेहरा में महबूबा की बेटी को करारी शिकस्त दी है वह दशार्ता है कि कट्टरपंथियों और आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने वालों के दिन अब राजनीति में लद चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही महबूबा ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। चुनावों के दौरान एक तरह से अलगाववादियों को उनका खुला समर्थन साफ नजर आ रहा था लेकिन जनता ने किसी भी अलगाववादी को विधानसभा नहीं पहुँचने दिया। वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव में श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

नीतीश से राजग से अलग होने की अपील करने के लिए ललन ने साधा अखिलेश पर निशाना

नूना न्यूज एजेंसी

बिहार। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भाजपा नीत राजग सरकार से समर्थन वापस लेने की अपील करने के लिए शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। ललन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव के शुक्रवार को दिए गए बयान के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर दिग्गज समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि देने से रोकने का आरोप लगाया था। ललन से जब यादव की नीतीश से अपील के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,अखिलेश कौन हैं? नीतीश ने आपातकाल से पहले 1974 में जेपी आंदोलन के दौरान अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत की थी। केंद्रीय पंचायत राज मंत्री ललन ने कहा, नेताजी (मुलायम का उपनाम) की आत्मा कराह रही होगी। आप (अखिलेश) उन लोगों की गोद में बैठे हैं, जिनके खिलाफ उन्होंने 1974 में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करते हुए लड़ाई लड़ी थी। ललन का इशारा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ सपा के गठबंधन की ओर था।गठबंधन ने लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन किया था जिसके कारण भाजपा बहुमत से चूक गई थी।

जीएन साईबाबा का निधन

सना खान की रिपोर्ट

दिल्ली। विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर और मानवाधिकार कार्यकर्ता, का निधन हो गया। वह सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर काम करने के लिए जाने जाते थे, विशेष रूप से भारत में माओवादी आंदोलन के संदर्भ में। साईबाबा को 2014 में माओवादी संगठनों के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया गया था और 2017 में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, 2022 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी बरी को निलंबित कर दिया। मार्च 2024 में, बॉम्बे हाई कोर्ट ने फिर से साईबाबा और अन्य पांच लोगों को बरी कर दिया, अभियोजन के मामले में सबूतों की कमी और तकनीकी अनियमितताओं का हवाला देते हुए। स्वास्थ्य समस्याओं और जेल के बावजूद, साईबाबा ने अपने जीवन भर मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के लिए आवाज उठाई।

कोलकाता में चिकित्सक से बलात्कार व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पतन का परिणाम : भागवत

नूना न्यूज एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक कनिष्ठ चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और उसकी हत्या की घटना पर परदा डालने के प्रयासों की शनिवार को निंदा की। भागवत ने नागपुर में वार्षिक विजया दशमी उत्सव में आरएसएस कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पतन और भ्रष्टाचार का परिणाम हैं। उन्होंने भारत की पुरानी परंपराओं का हवाला देते हुए कहा, जब द्रौपदी के चीर को छुआ गया तो महाभारत हुआ और जब सीता का अपहरण हुआ तो रामायण हुई। भागवत ने कहा, कोलकाता के आर जी कर अस्पताल में जो हुआ वह एक शर्मनाक घटना है और हम सभी का अपमान है। आरएसएस प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस घटना को छुपाने और अपराधियों को बचाने की कोशिश की गई। भागवत ने कहा, अपराध, राजनीति और जहरीली संस्कृति का गठजोड़ हमें बर्बाद कर रहा है।

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष से बात होने के बाद माने विधायक पटेरिया, बोले-सीएम और पार्टी मेरे साथ, नहीं दूंगा इस्तीफा, केसली मामले में डाक्टर पर हुई एफआईआर

सीएम, प्रदेशाध्यक्ष ने दिखाए तेवर तो बदला रुख, पटेरिया ने इस्तीफा वापस लिया, पाठक के भी सुर बदले

भोपाल ■

पुलिस थाने में अपनी बात न सुने जाने से नाराज देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया ने गुरुवार को दिया अपना इस्तीफा शुक्रवार को वापस ले लिया। सीएम डाक्टर मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से हुई बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने आक्रोश में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे को दुर्भाग्यपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि सीएम और पार्टी मेरे साथ हैं सीएम के आदेश का पालन करूंगा।

वहीं अपने आधार कार्ड से छेडछाड़ की शिकायत पुलिस से कराने और खुद की जान को खतरा बताने वाले विधायक संजय पाठक के सुर भी बदल गए हैं।

गौरतलब है कि अपनी देवरी विधानसभा क्षेत्र के केसली में सर्पदंश से हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में पोस्टपार्टम रिपोर्ट देने में एक चिकित्सक द्वारा कथित रूप से पैसे मांगने को लेकर विधायक बृजबिहारी पटेरिया ने डाक्टर के खिलाफ एफआईआर लिखने का अनुरोध पुलिस अधिकारियों से किया था पर एफआईआर दर्ज न किए जाने के बाद वे समर्थकों सहित थाने के बाहर धरने पर बैठ गए थे और उसी समय उन्होंने अपना इस्तीफा लिख दिया था। गुरुवार को मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा था कि जब जनप्रतिनिधि की बात न सुनी जाए तो ऐसी विधायकी करने का क्या मतलब। मुझे नहीं करनी ऐसी विधायकी। सूत्रों की मानें तो इस्तीफे की खबर मीडिया में आते ही संगठन एक्शन में आ गया। सीएम और प्रदेश अध्यक्ष ने पटेरिया से बात की। इसके कुछ देर बाद ही पटेरिया के सुर बदल गए। कुछ देर बाद सबंधित चिकित्सक के खिलाफ भी एफआईआर पुलिस ने दर्ज कर ली। वहीं जिन डाक्टर दीपक दुबे पर एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने इस मामले में खुद को निर्दोष बताया है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति की सर्पदंश से होने की बात कही जा रही है। उसके पूरे शरीर में सर्पदंश का कोई निशान ही नहीं था। दीपक ने पैसे मांगने की बात से भी इंकार किया।

भाजपा में थम नहीं रहा विधायकों की नाराजगी का दौर

भाजपा विधायकों में अधिकारियों के प्रति नाराजगी का दौर थम नहीं रहा है। मऊगंज से विधायक प्रदीप पटेल अपने क्षेत्र में नशीले पदार्थों पर रोक न लगने से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के सामने दंडवत हो गए थे। इस पर वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई ने ट्वीट करके कहा था कि पूरी सरकार ही शराब माफिया के आगे दंडवत है। वहीं कुछ दिनों पहले सागर के नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने अवैध शराब की बिक्री से परेशान होकर पुलिस से लगाम लगाने की गुहार की थी।

संजय पाठक के भी सुर बदले, बोले मुझे किसी से कोई खतरा नहीं: वहीं अपने आधार कार्ड से छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस में दर्ज कराने और अपने निवास की अज्ञात लोगों द्वारा निगरानी की बात कहने वाले विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक के सुर भी बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे किसी से कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश का बच्चा-बच्चा सुरक्षित है। मीडिया से चर्चा में पाठक ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था सबसे अच्छी है। विरोधी दल के नेता सरकार को बदनाम करने के लिए ट्वीटर का सहारा ले रहे हैं।

दशहरा बाद संगठन, विधायकों से करेगा बात: सूत्रों की मानें तो विधायकों का अधिकारियों के प्रति विरोध की खबरें मीडिया में आने के बाद संगठन सक्रिय हो गया है। उसने विधायकों से बात की है। दशहरे बाद इन विधायकों को बुलाकर संगठन उनसे बात करेगा और उनकी नाराजगी के कारणों को जानेगा।

इधर गोपाल भार्गव बोले, गैर जिम्मेदार अधिकारी बर्दाश्त नहीं

पटेरिया का इस्तीफा सामने आने के बाद पूर्व मंत्री और रहली विधायक गोपाल भार्गव ने सोशल मीडिया पर अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने लिखा कि पटेरिया का घटनाक्रम बेहद दुखद है। किसी व्यक्ति की मृत्यु जैसी घटना पर भी शासकीय कर्मचारियों द्वारा पैसों की मांग की जा रही है। भाजपा सरकार गरीबों के लिए दिन-रात काम कर रही है। ऐसी सरकार में पुलिस के अधिकारी और चिकित्सक चुने हुए विधायक की बात भी न सुनें, उनकी ऐसी कार्यप्रणाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भार्गव ने लिखा कि मैंने पटेरिया से बात कर उनसे कहा है कि जनता ने हमें आशा और विश्वास से चुना है, आप इस्तीफा न दें। मैंने अधिकारियों से कार्रवाई को लेकर बात की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले- प्रदेश में सरकार और समाज मिलकर मनाएंगे दशहरा पर्व

सीएम से लेकर मंत्री, सांसद, विधायक इस बार दशहरे पर करेंगे शस्त्र पूजा, देवी अहिल्याबाई को समर्पित रहेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज महेश्वर और इंदौर में करेंगे शस्त्र पूजन

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में पहली बार दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर मनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लेकर मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि शनिवार को दशहरे पर अलग-अलग जिलों में शस्त्र पूजा करेंगे। मुख्यमंत्री दशहरा पर्व पर देवी अहिल्याबाई की राजधानी रही महेश्वर और उनकी छावनी रही इंदौर में शस्त्र-पूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे भारतीय पर्व उमंग और उल्लास के प्रतीक होते हैं। इस वर्ष प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मनाएंगे और शस्त्र-पूजन भी होगा। उन्होंने प्रदेशवासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक देवी अहिल्याबाई को समर्पित रहेगा। देवी अहिल्याबाई ने देश भर में जन-कल्याण के अनेक महती कार्य संपन्न करवाए। इन कार्यों की स्मृति और देवी अहिल्याबाई के योगदान से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने और उनके सम्मान में दशहरा पर्व पर शस्त्र-पूजन के कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दशहरा पर्व पर भारत की प्राचीन शस्त्र-पूजन परंपरा में सरकार के मंत्रियों सहित सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि भी अपने क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रत्येक जिले में पुलिस शस्त्रागार, कोतवाली और थानों में होने वाले शस्त्र-पूजन एक विभाग तक सीमित न होकर जनता का पर्व बनेगा।

अहिल्याबाई का व्यक्तित्व, जीवन व चरित्र हम सबके लिए आदर्श

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अहिल्याबाई की 300वीं जयंती का वर्ष मना रहे हैं। अहिल्याबाई का व्यक्तित्व, जीवन और चरित्र हम सबके लिए आदर्श है। वह एक तपोनिष्ठ, धर्मनिष्ठ और कर्मनिष्ठ शासक, प्रशासक रही हैं। उनसे हम सबको प्रेरणा लेना चाहिए। देवी अहिल्याबाई ने धर्म के भाव के साथ शासन व्यवस्था चलाने का बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने उज्जैन, हरिद्वार, मथुरा सहित देश के कई स्थानों पर सामुदायिक भवन और धर्मशालाओं का निर्माण किया। मंदिरों के निर्माण और साज-सज्जा में योगदान दिया।

कौन मंत्री कहां करेगा शस्त्र पूजा

राज्य शासन ने सभी मंत्रियों को शस्त्र पूजा के लिए जिलों का आवंटन कर दिया है। अधिकतर मंत्री अपने गृह जिले में शस्त्र पूजा करेंगे। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा भोपाल, राजेंद्र शुक्ला रीवा, मंत्री विजय शाह खंडवा, कैलाश विजयवर्गीय धार, प्रहलाद सिंह पटेल नरसिंहपुर, राकेश सिंह जबलपुर, करण सिंह वर्मा सीहोर, उदय प्रताप सिंह गाडरवाड़ा, संपतिया उइके मंडला, तुलसीराम सिलावट इंदौर, रामनिवास रावत विजयपुर, एंदल सिंह कंसाना मुरैना, निर्मला भूरिया झाबुआ, गोविंद सिंह राजपूत सागर, विश्वास सारंग भोपाल, नारायण सिंह कुशवाहा ग्वालियर, नागर सिंह चौहान सतना, प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, राकेश शुक्ला भिंड, चेतन्य कश्यप रतलाम, इंदर सिंह परमार शाजापुर, कृष्णा गौर सीहोर, धर्मेंद्र लोधी दमोह, दिलीप जायसवाल सीधी, गौतम टेटवाल राजगढ़, लखन सिंह पटेल विदिशा, नारायण सिंह पवार रायसेन, राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल बरेली (जिला रायसेन), प्रतिमा बागरी सतना, दिलीप अहिरवार अनूपपुर व राधा सिंह सिंगरौली में शस्त्र पूजा करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्याओं के पैर पखारे, किया पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शारदीय नवरात्र की महानवमी पर मुख्यमंत्री निवास में कन्या-पूजन और कन्या-भोज की सनातन परंपरा का पालन किया। मातृ-शक्ति के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा प्रदर्शित करते हुए मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे और उनका विधि-विधान से पूजन किया। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कन्याओं को चुनरी ओढ़ाई और आरती उतारी। पूजन के दौरान मुख्यमंत्री ने कन्याओं से संवाद कर उन्हें दुलारा भी। उन्होंने कन्या-पूजन के बाद कन्याओं को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसा और उनकी रुचि के अनुरूप मिष्ठान भी खिलाए और सभी कन्याओं को दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने मोक्षदायिनी मां सिद्धिदात्री के चरणों में शत-शत प्रणाम कर प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की महानवमी पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मातारानी से सभी को संकल्प सिद्धि के असीम आशीर्वाद के साथ मंगलमय और सुखमय जीवन की प्रार्थना भी की।

बुधनी व विजयपुर में प्रत्याशी चयन के लिए रायशुमारी 14-15 अक्टूबर को

उपचुनाव को लेकर कांग्रेस हुई सक्रिय समिति गठित

भोपाल, प्रसं। मप्र कांग्रेस ने सीहोर जिले की बुधनी और श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारी तेज कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने इन दोनों सीटों पर उपचुनाव में योग्य प्रत्याशी चयन के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया है। समितियां 14 और 15 अक्टूबर को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर प्रत्याशी चयन के लिए कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि बुधनी उपचुनाव के लिए बनाई गई समिति के सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा व पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल 14 और 15 अक्टूबर को बुधनी प्रवास पर रहकर वहां कांग्रेस प्रत्याशी के चयन के लिए जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल, सेक्टर और बूथ के कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं से योग्य प्रत्याशी चयन के लिए रायशुमारी करेंगे। ऐसे ही विजयपुर उपचुनाव के लिए बनाई गई समिति के सदस्य कांग्रेस के सचिव मप्र सह-प्रभारी चंदन यादव, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव और लोकसभा प्रत्याशी नीटू सिकरवार 14 और 15 अक्टूबर को श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा पहुंचकर वहां जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल, सेक्टर व बूथ के कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ बैठक कर योग्य प्रत्याशी चयन के लिए रायशुमारी करेंगे। इसके बाद समितियां रायशुमारी में सामने आए संभावित प्रत्याशियों के नामों की सूची प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी इन नामों पर चर्चा कर सूची हाईकमान को सौंपेगी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि रायशुमारी में सामने आए नामों से ही प्रत्याशी का चयन किया जाएगा।

CMYK

सार संक्षेप

किरदार की आवाज में बदलाव, मशीन से मित्रता तक का सफर

(नई दिल्ली) : अक्तूबर को रिलीज होने वाली ह्यद वाइल्ड रोबोटह्ल इस साल की सबसे प्रतीक्षित एनिमेशन फिल्म है। इस शानदार फिल्म का निर्देशन ऑस्कर-लॉमिनेटेड निर्देशक क्रिस सैंडर्स ने किया है, और इसे दर्शकों तक पहुँचाने का कार्य यूनिवर्सल पिक्चर्स इंडिया ने किया है। फिल्म में लुपिता न्योंगो, पेड्रो पास्कल, कैथरीन ओह्लहारा, बिल निघी, किट कॉनर, मार्क हैमिल, और स्टेफनी हस्सू जैसे दिग्गज कलाकारों की आवाजें सुनाई देंगी। कहानी रोज नाम की एक रोबोट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो संक्षिप्त रूप रोजूम यूनिट 7134 है। यह रोबोट एक सुनसान द्वीप पर भटक जाती है। लुपिता न्योंगो ने रोज के किरदार की आवाज दी है, जिसमें शुरूआत में एक मशीन की आवाज होती है, लेकिन कहानी के आगे बढ़ने के साथ उसकी आवाज में भावुकता और लगाव आ जाता है। यह किरदार की यात्रा को दशार्ता है, जो एक प्रोग्राम्ड मशीन से करुणा और दया रखने वाले दोस्त में बदल जाती है।

देश में हाइब्रिड बीजों की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही

नई दिल्ली) : हरियाणा में सरसों की खेती का एक महत्वपूर्ण स्थान है, और किसानों की मेहनत के साथ उन्नत तकनीकों का उपयोग इस क्षेत्र की कृषि को और भी समृद्ध बना रहा है। इस संदर्भ में श्रीराम 1666 सरसों बीज ने किसानों के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प के रूप में खुद को साबित किया है। हरियाणा के किसानों का कहना है कि श्रीराम सरसों बीज ने कृषि जगत में एक नई क्रांति ला दी है। इस बीज की उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता, अधिक तेल की मात्रा, रोग प्रतिरोधक क्षमता और विविध जलवायु परिस्थितियों के प्रति अनुकूलता इसे तेजी से लोकप्रिय बना रही है। किसानों के अनुसार यह हाइब्रिड बीज अन्य परंपरागत किस्मों की तुलना में नीचे से बेहतर फुटान और प्रति फली अधिक दाने उत्पन्न करता है, जिससे तेल की मात्रा में भी वृद्धि होती है। इसकी वजह से किसानों को अधिक उपज के चलते प्रति एकड़ 5 हजार तक का अतिरिक्त मुनाफा हो रहा है। इसके उच्च तेल मात्रा वाले दाने बाजार में ऊंचे दामों पर बिकते हैं, जिससे किसानों की आय में भी वृद्धि होती है।

पौष्टिकता में बढ़ती जागरूकता, नए ब्रेकफास्ट विकल्पों की मांग

(नई दिल्ली) : टाटा सोलफुल, जो टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का एक प्रमुख ब्रांड है, अपने पौष्टिक स्नैक्स और ब्रेकफास्ट सीरियल्स के लिए मशहूर है, अपने नए इनोवेशन टाटा सोलफुल कॉर्न फ्लेक्स प्लस की पेशकश को लेकर काफी खुश है। कंपनी के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर रसिका प्रशांत ने कहा कि, ह्लटाटा सोलफुल में, हम पौष्टिक स्नैक्स और ब्रेकफास्ट कैटेगरी में अधूरी जरूरतों की पहचान करने के लिए बेहद प्रतिबद्ध हैं। उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं तथा स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ, हमारे लिए यह जरूरी हो गया है कि हम नए समाधानों के साथ इन गैप्स को भरें।

भारतीय रेलवे के अध्यक्ष सतीश कुमार ने अभियान 4.0 की प्रगति की समीक्षा की

(नई दिल्ली) : यह उच्च स्तरीय बैठक रेलवे बोर्ड के कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें जोनल रेलवे के महाप्रबंधक, उत्पादन इकाइयों के जीएम, आरडीएसओ और प्रशिक्षण संस्थानों के निदेशक जनरल, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के एमडी, सीएमडी और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में विशेष अभियान 4.0 के लिए प्रमुख लक्ष्यों को साझा किया गया, जिसमें डिजीटलाइजेशन के प्रयासों को आगे बढ़ाना, अभियान स्थलों पर स्वच्छता में सुधार, स्थान का उपयोग मुक्त करना, कबाड़ की बिक्री के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करना और रेलमदद व सीपीजीआरएएमएस जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करना शामिल है। अध्यक्ष एवं सीईओ ने सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया, और महाप्रबंधकों को अभियान की गतिविधियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के लिए निर्देशित किया। रेलवे मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0 को पूरे भारत रेलवे नेटवर्क में लागू करने के लिए पूरी तैयारी और ऊर्जा के साथ लॉन्च किया है। बैठक में महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अलावा, कार्य निष्पादन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए रेलवे स्टेशनों पर रेल चौपालों के माध्यम से संवाद को भी बढ़ावा दिया गया।

आकाश मार्ग में 200 फुट ऊंचाई से उड़ते हुए हनुमान जी लाए संजीवनी बूटी

नई दिल्ली, अक्तूबर : लालकिला मैदान में आयोजित ख्याति प्राप्त लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया आज हरदीप सिंह पुरी, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, भारत सरकार ने लीला स्थल पर प्रभु श्री राम की लीला का अवलोकन किया तथा प्रभु श्री रामचन्द्र जी का तिलक कर वंदना की और आशीर्वाद लिया, इस अवसर पर सभी राम भक्तों एवं लीला कमेटियों को दशहरा पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। लीला के अध्यक्ष अर्जुन कुमार के अनुसार आज गणेश वंदना से लीला का प्रारंभ हुआ, अशोक वाटिका में सीताजी द्वारा हनुमान जी को चूडामणि देकर विदा करना, राम शिविर में हनुमान का आगमन व सीता जी का समाचार देना, रावण दरबार में विभीषण को अपमानित कर निकलना, राम शिविर में विभीषण का स्वागत व राम सेतू निर्माण हेतु शिवलिंग की स्थापना, समुन्द्र तट पर समुन्द्र द्वारा रास्ता न देने पर राम का क्रोध, नल-नील द्वारा सेतू निर्माण, अंगद को शांति दूत बनाकर भेजना, ना मानने पर युद्ध, लक्ष्मण मेघनाद युद्ध व लक्ष्मण मूर्छा, राम विलाप, कालनेमि वध, हनुमान जी द्वारा संजीवनी बूटी लाना तक की लीला का मंचन हुआ। आप नेता बृजेश गोयल ने आज लीला में रावण पुत्र मेघनाद के किरदार को अपनी ओजस्वी आवाज, दमदार अभिनय से ऐसे अनूठे अंदाज मेंप्र किरदार प्रस्तुत किया कि लीलास्थल पर मौजूद रामभक्तों ने जमकर तालिया बजाई वहीं वैघ सुसेन बने अपोलों हॉस्पीटल के सीनियर डा. अशोक शर्मा ने अपने शानदार अभिनय से वैघ सुसेन किरदार को जीवंत कर दिखाया। राजधानी के जाने माने युवा औदार्य गुप्ता ने लव कुश मंच पर समुद्र देव का बेहतरीन अभिनय कर सभी को आश्चर्य चकित कर दिया। बालिवुड के नामी कलाकार कशिका कपूर, अनुज सैनी और प्रवीण दीक्षित के साथ फिल्म आयुष्मति गीता मेट्रिक पास के डायरेक्टर प्रदीप खेरवार आदि ने लीला पश्चात प्रभु श्री राम की चरण वंदना के साथ आरती की।

राजनाथ सिंह ने सेना कमांडरों के सम्मेलन में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को संबोधित किया

नई दिल्ली, अक्तूबर : सेना कमांडरों का वर्ष 2024 का दूसरा सम्मेलन 10 अक्तूबर 2024 को गंगटोक के एक अग्रिम सैन्य स्थान पर अलग-अलग (हाइब्रिड) प्रारूप में शुरू हुआ। अग्रिम सैन्य स्थान पर वरिष्ठ कमांडरों के सम्मेलन का आयोजन जमीनी स्तर की वास्तविकताओं पर भारतीय सेना के ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित करता है। इस दौरान, भारतीय सेना के शीर्ष कमांडरों ने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्यों, सीमाओं और भीतरी इलाकों में स्थिति और वर्तमान सुरक्षा तंत्र के समकक्ष चुनौतियों के सभी पहलुओं पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया। सम्मेलन में सैन्य संगठनात्मक पुनर्गठन, रसद, प्रशासन और मानव संसाधन प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में पूरे देश के विश्वास को दोहराया और कहा कि यह देश के सबसे भरोसेमंद और प्रेरणादायक संगठनों में से एक है। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा किसी भी समय नागरिक प्रशासन को सहायता प्रदान करने में सेना द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। माननीय रक्षा मंत्री ने देश सेवा में प्रत्येक सैनिक के योगदान की सराहना की और राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सेना कमांडर सम्मेलन में हिस्सा लेने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और राष्ट्र तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यरक्षा और सुरक्षाह्ल दृष्टिकोण को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सैन्य नेतृत्व की सराहना की।

सीएसयू के डा देवानन्द शुक्ल कविकुल कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के कुल सचिव नियुक्त

दिल्ली, अजय कुमार मिश्रा, संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकोष्ठ व पीआरओ।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी के निर्देश तथा डीन, आकादमिक,प्रो मदन मोहन झा के मार्गदर्शन में सीएसयू, दिल्ली में कार्यरत डा देवानन्द शुक्ल, उप निदेशक, शैक्षणिक का विदाई समारोह का भव्य आयोजन सीएसयू के सारस्वत सभागार में किया गया। इसमें सीएसयू, दिल्ली के सभी अधिकार तथा कर्मयोगियों गण उपस्थित रहें। ध्यातव्य है कि डा शुक्ल की प्रतिनियुक्ति कविकुल कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर में पांच साल के लिए की गयी है। डीन, प्रो झा ने कहा है कि वस्तुतः यह विदाई समारोह से अधिक आकादमिक तथा प्राशासनिक संवर्धन की गरिमा का भी क्षण है। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि अपने सीएसयू में योग्यता की कमी नहीं है। यही कारण है देश के अनेक विश्वविद्यालयों तथा उच्चस्तर शिक्षा संस्थानों ने भी अपने आकादमिक तथा प्राशासनिक सदुपयोग के लिए यहां के अधिकारियों तथा कर्मयोगियों की प्रतिनियुक्ति की खोज में रहते हैं। यह बहुत ही तोष का विषय है कि डा शुक्ल पुनः अपने इस विश्वविद्यालय में आकर अपनी मातृ संस्था की सेवा में जुड़ेंगे। डा शुक्ल संस्कृत विद्या की दृष्टि से भी संपन्न हैं उसका भी लाभ उस विश्वविद्यालय को मिलेगा। प्रो आर .जी. मुरली कृष्ण ने भी अपने उद्गार में कहा है कि सामान्यतः अच्छी नौकरी मिल जाने पर मनुष्य अपने आप को कम्फोर्ड जोन में समझने लगता है। लेकिन डा शुक्ल इस मान्यता को नकारा है । यही कारण है उन्होंने अपने जीवनवृत्ति के लक्ष्य में एक ऊंची छलांग लगाई है और इस उड़ान से सीएसयू की प्रतिष्ठा और बढ़ी है । प्रो मुरली कृष्ण ने उनके उत्तरोत्तर उत्कर्ष की कामना की है। प्रो मधुकेश्वर भट, कुलपति के विशेष कार्याधिकारी ने कहा है कि संस्था तो मां की तरह होती है उसकी संतति चाहे, जहां भी कार्य करने जायें , वह नाराज नहीं होती है क्योंकि वह जानती है कि योग्य अधिकारी या कर्मयोगी अपने इतर संस्था में जाते हैं तो उसमें उस संस्था,समाज तथा राष्ट्र हित की भी भावना छुपी होती है । प्रो भट ने आशा व्यक्त करते हुए कहा है कि डा शुक्ल संस्था हित में कार्य कर के सीएसयू की भी प्रतिष्ठा को और उन्नत करेंगे। डा अजय कुमार मिश्रा , संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ व आईकेएस प्रकोष्ठ का विचार था कि डा देवानन्द शुक्ल जितना प्राशासनिक ज्ञान रखते हैं ,उसी तरह उनके पास शैक्षणिक मेधा भी है । इस तरह के समन्वित मेधावी अपने संस्था के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं । लेकिन साथ ही साथ डा मिश्रा ने इस बात पर भी बल देते कहा है कि एक अधिकारी को अपने प्राशासनिक उत्तरदायित्वों के द्वन्दों के निर्वहन में मानवोचित प्रज्ञा के अन्तरात्मा की आवाज जरुर सुननी चाहिए ।इसमें संस्कृत जैसी अमर देववाणी निश्चितरुप से सहायता करती है । डा मिश्रा ने यह भी कहा है कि किसी संस्था के चतुर्दिक उन्नयन में वहां के मुखिया के ब्रांड का नाम भी बहुत ही काम आता है । विगत दो अढाई वर्षों में अपना सीएसयू जो सफलता की वैश्विक उड़ान भरा है उसमें माननीय कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी की वैदुष्य भरी वैश्विक दूरर्शिता तथा आकादमिक प्रशासन की निष्ठा ने बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है । यही कारण है कि अब संस्कृत विश्व की सफलता की सभी फ्लाई ओवर सीएसयू के रास्ते गुजरती है । आशा इस ब्रांड से देश विदेश के अन्य संस्थान भी और प्रभावित होंगे और सीएसयू में कार्य करने वालों और अधिकारियों तथा कर्मयोगियों की प्रतिष्ठा इसी तरह बढ़ती रहेगी। विदाई समारोह के इस भावुकता भरे अवसर पर प्रो आर. एल.नरसिम्हा,शैक्षणिक,श्री जगन्नाथ झा, प्रभारी ,योजना 2 , पुस्तकालयाध्यक्ष, डा पी.एम . गुप्ता, श्री रोहतास सिंह, परीक्षा उप नियंत्रक, श्री अरुण विद्यार्थी, राज भाषा अधिकारी ,डा अमृता कौर, प्रभारी,मुक्स तथा डा चक्रधर मेहेर , प्रभारी योजना 2 ने भी डा शुक्ल को बधाई देते अपने विचार रखें। डा देवानन्द शुक्ल ने कहा है कि मेरे लिए यह बहुत ही भावुकता भरा क्षण है। इसके लिए उन्होंने सीएसयू के अधिकारियों तथा कर्मयोगियों के प्रति आभार जताते हुए कहा है कि मेरा यह पूरा प्रयास रहेगा कि मैं कविकुल कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय,रामटेक तथा संस्कृत के हित तथा यश में कार्य करुं ,ताकि मेरी मातृ संस्था के यश में भी वृद्धि हो। प्रो कुलदीप शर्मा, प्रभारी, रिक्रूटमेंट सेल ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में नैक की तैयारी में डा शुक्ल की लगन की चर्चा की तथा डा यशवन्त त्रिवेदी ने मनोरम मंच संचालन किया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित की

नई दिल्ली, अक्तूबर : शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (डीओएसईएल) ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर युवाओं की सहभागिता के लिए मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा पर एक राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य पर दो सत्र शामिल थे, जिसमें एम्स दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर (एमडी) डॉ. राजेश सागर ने व्याख्यान दिया और साइबर सुरक्षा पर भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, गृह मंत्रालय की डीसीपी डॉ. रश्मि शर्मा यादव ने व्याख्यान दिया। इस कार्यशाला का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया, जिससे देश भर में 20 लाख से अधिक छात्र और शिक्षक जुड़े। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अपर सचिव विपिन कुमार ने छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य और इंटरनैट के सुरक्षित उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आज के डिजीटल युग में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के संभावित प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए शीघ्र कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव अर्चना शर्मा अवस्थी ने छात्रों के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों दोनों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी से अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने और खुद को साइबर अपराध का शिकार होने से बचाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा दी गई सलाह को ध्यान से सुनने और उसका पालन करने का आह्वान किया।

मामला यू.के. में जालंधर के मास्टरमाइंड द्वारा किए जा रहे क्रैडिट कार्ड स्कैम का

गुर्गों के पास आता है पार्सल जिसमें मौजूद होते हैं क्रैडिट कार्ड और कैश

गैंगस्टर दलजीत भाना।

भाना ग्रुप के पास कैसे आई क्रैडिट कार्ड स्कैम की गेम?

सूत्रों की मानें तो पंजाब की जेल में क्रैडिट कार्ड स्कैम की संरचना की गई थी। आरोपी जेल से निकलने के बाद यूके निकल गए थे और फिर जालंधर से मास्टरमाइंड उन सबको ऑपरेट करने लगा। मास्टरमाइंड को पता होता है कि प्रतिदिन कितने पार्सल गुर्गों को रिसीव हुए हैं। सारे खेल में ज्यादा से ज्यादा गुर्गे जोड़े जाने की कोशिश की जाती है ताकि कैश भी ज्यादा निकलवाया जा सके। यूके की जांच एजैंसियों और पुलिस को इस सारे स्कैम की भनक लग चुकी है। किसी भी समय इस स्कैम का खुलासा कर गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

चंडीगढ़, अक्तूबरः यू.के. में जालंधर के मास्टरमाइंड द्वारा किए जा रहे क्रैडिट कार्ड स्कैम का चक्र व्यूह बहुत ही बड़ा है। जानकारी है कि सभी गुर्गों के एड्रैस पर पार्सल आते हैं। उक्त पार्सलों में क्रैडिट कार्ड, कैश (पाउंड) और कार्ड के पिन संबंधी जानकारी होती है। अब यह कैश और कार्ड कहां से आते हैं, यह एक जांच का विषय है। सूत्रों की मानें तो जालंधर में बैठा मास्टरमाइंड इस स्कैम के सहारे खूब पैसे बटोर रहा है। और अपने साथियों को भी खूब ऐश करा रहा है।

इस सारे मामले संबंधी भारतीय एजैंसियां जल्द ही जांच शुरू करेंगी। गौरतलब है कि इसी काली कमाई से चुनावों में भी फंडिंग की जाती है। इस फंडिंग को मोनू मैनेज करता है। हाल ही में गैंगस्टर भाना के पैरोल पर आने के बाद चुनावों में भाना, मोनू और विक्की ने काली कमाई से एक मोटी फंडिग की थी। मोनू और विक्की गैंगस्टर भाना के करीबी माने जाते हैं। गौरतलब है कि भाना पैरोल पर आने के दौरान विक्की के ही घर रुका था। और अक्सर इनकी फोटो अन्य साथियों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी।

मामले की परतें खुलने के बाद ई.डी. भी इस सारी काली कमाई की जांच कर सकती है। यूके से आने वाली इस काली कमाई का हवाला एंगल गुजरात से जुड़ा है। गुजरात में हवाला के जरिए कैश किसे पहुंचता है यह भी जांच का विषय है।

नई सरकार जम्मू-कश्मीर में नई उम्मीद लेकर आएगी : चिब

नई दिल्ली, , अक्टूबर भारतीय युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने जम्मू-कश्मीर संपन्न हुए विधानसभा में चुनाव पर संतोष जताते हुए कि जम्मू कश्मीर में नैशनल कॉन्फ्रैंस और कांग्रेस गठबंधन की सरकार के बदले के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों की जिंदगी में व्यापक बदलाव आने की उम्मीद है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी कि केंद्र सरकार ने लैफ्टिनैंट गवर्नर के माध्यम से जम्मू कश्मीर के लोगों के हक पर डाका डालने का काम किया है। यहां एक विशेष बातचीत के दौरान भारतीय युवक कांग्रेस के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि हमारे लिए यह खुशी की बात है कि जम्मू कश्मीर में एक लंबे अरसे बाद विधानसभा चुनाव में संपन्न हुए हैं और वहां की आवाम ने इसमें इन चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया बल्कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को बहुमत से सरकार बनाने का मौका दिया और वहां आगामी कुछ दिनों में नई सरकार का गठन होने जा रहा है और उसे वहां उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। एक सवाल के जवाब में उदय भानु चिब ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जम्मू कश्मीर में इलैक्शन का गवर्नर सिंह के माध्यम से परोक्ष रूप से अपनी सरकार चल रही थी और लेफ्टिनेंट गवर्नर द्वारा स्थाई व्यवसाईयों, कांट्रैक्टरों और स्थाई लोगों को नजरअंदाज करके बाहर जम्मू कश्मीर से बाहर लोगों और कंपनियों को फायदा पहुंचाया गया लेकिन अब जम्मू कश्मीर के लोगों की अपनी सरकार अपनी चुनी हुई सरकार शपथ लेने वाली है, जिससे न सिर्फ वाहन उद्योग धंधों को स्थापित करने में नई सरकार अच्छे कदम उठाएगी। उदय भानु चिब ने कहा कि देश में पहली बार हुआ है कि किसी केंद्र सरकार में पूर्ण प्रदेश को तोड़कर केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया हो, केन्द्र सरकार के इस कदम से जिससे वहां के लोगों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी परोक्ष रूप से सरकार चलाने में माहिर है और वह अभी चाहती है कि इसीलिए केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा को जरूर से ज्यादा शक्तियां दी और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार के एजेंडे को जमीन पर उतरने का काम किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी ने संविधान में संशोधन करके उप राज्यपाल द्वारा नामित पांच विधायकों को विधानसभा में मत देने का अधिकार करना भी केंद्र सरकार और भाजपा द्वारा चुनी हुई सरकार पर दबाव बनाने के लिए किया गया है उन्होंने कहा कि देश में कहीं भी ऐसा नहीं है कि राज्यपाल या उपराज्यपाल द्वारा नामित कोई भी पदाधिकारी चाहे वह किसी भी सदन का हो उसको वोट देने का अधिकार नहीं होता लेकिन जम्मू कश्मीर ऐसा राज्य है जहां भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र ने केंद्र सरकार के द्वारा संविधान में संशोधन ऐसा किया है जोकि बिल्कुल गलत है।

श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को लेकर किसी को भी कोई शक या संदेह नहीं : सरना

नई दिल्ली, अक्तूबर : सिख कौम में श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को लेकर किसी को भी कोई शक या संदेह नहीं है। श्री अकाल तख्त साहिब सिखों के लिए सर्वश्रेष्ठ था और रहेगा। इसके बारे में किसी की कोई दो राय नहीं हो सकती। लेकिन श्री अकाल तख्त साहिब का एक विधि विधान भी है। श्री अकाल तख्त साहिब से गलती करने वाले सिख को जो सजा देने की परंपरा है, उसका उद्देश्य सिख के हृदय को शुद्ध कर उसे दोबारा गुरु के साथ जोड़ना है, न कि किसी राजनीतिक या अन्य कारणों से उसे अलग करना। श्री अकाल तख्त साहिब से दी गई कोई भी सजा या ताड़ना गुरु से टूटे संबंध को फिर से जोड़ने का साधन है। लेकिन आज, शिरोमणि अकाली दल के प्रधान श्री सुखबीर सिंह बादल, जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा पंथक परंपरा के अनुसार तंखाहिया करार दिया गया था, उनके खिलाफ कुछ लोग राजनीतिक दबाव बनाने या पूरी तरह से बहिष्कार करने के बयान दे रहे हैं। यह सिख परंपरा का हिस्सा नहीं है। इन शब्दों का ऐलान दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व प्रधान और शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई के प्रधान परमजीत सिंह सरना ने प्रैस को जारी बयान के माध्यम से किया।

भारतीय राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण ने वैक्सीन विनियमन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा किया

नई दिल्ली, अक्तूबर : केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), भारतीय राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरण (एनआरए) और संबद्ध संस्थानों के साथ मिलकर कार्यात्मक वैक्सीन विनियामक प्रणाली के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा प्रकाशित संकेतकों को पूरा किया है। 16 से 20 सितंबर तक जिनेवा में डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में विभिन्न देशों के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का एक दल भारत की वैक्सीन विनियामक प्रणाली की व्यापक और गहन वैज्ञानिक समीक्षा के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंची।

वैक्सीन के मूल्यांकन के लिए सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता तीन बुनियादी मापदंड हैं। डब्ल्यूएचओ ने उपकरणों और दिशा-निर्देशों के विकास, एनआरए की बेंचमार्किंग और वैक्सीन के अर्हता पूर्व कार्यक्रम के माध्यम से वैक्सीन की गुणवत्ता के आश्वासन के लिए वैश्विक मानक और बेंचमार्क स्थापित किए हैं। डब्ल्यूएचओ एनआरए री-बेंचमार्किंग का उद्देश्य वैक्सीन विनियमन के क्षेत्र में भारत नियामक प्रणाली की स्थिति का आकलन और दस्तावेजीकरण करना, डब्ल्यूएचओ एनआरए ग्लोबल बेंचमार्किंग टूल (जीबीटी) के मुकाबले भारत वैक्सीन नियामक प्रणाली की स्थिति को फिर से बेंचमार्क करना और सिस्टम की परिपक्वता को मापना था। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल बेंचमार्किंग टूल संस्करण 6 के सभी मुख्य नियामक कार्यों के लिए भारत को ह्यकार्यात्मकह्ल घोषित किया गया है।

भारत की वैक्सीन नियामक प्रणाली को वर्ष 2017 में ग्लोबल बेंचमार्किंग टूल (जीबीटी) संस्करण पांच के मुकाबले बेंचमार्क किया गया था, जिसे अब बेंचमार्किंग मानदंडों में बढ़ी हुई बार और कठोरता के साथ जीबीटी छह में संशोधित किया गया है।

भारत ने सर्वोच्च अंकों के साथ कई कार्यों में परिपक्वता स्तर 3 बरकरार रखा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में बोलते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा, केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन ने डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर इस उपलब्धि के लिए अनुकरणीय प्रयास किए हैं। भारत दुनिया भर में दवा उद्योग में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है और अपनी सस्ती वैक्सीन और जेनेरिक दवाओं के लिए जाना जाता है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

दिल्ली-मुंबई। एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार रात सड़क हादसे में एक ही एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि हादसे में कई अन्य लोग घायल हुए हैं। यह हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भैड़ोली के पास हुआ। एक्सप्रेसवे पर खोदे गए गड्ढे में गिरकर कार पलट गई। उन्होंने बताया कि कार चालक गड्ढे को नहीं देख पाया जिससे यह हादसा हुआ। रैनी थाने की उपनिरीक्षक प्रेमलता वर्मा ने बताया कि कार में सवार एक ही परिवार के लोग हरियाणा के गुरुग्राम से राजस्थान के बालाजी मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार कार में छह लोग सवार थे जिनमें से तीन की मौत हो गई। मृतकों की पहचान विद्यानंद (60), उनके बेटे शुभम यादव (28) और बेटी सोनिका के रूप में हुई है। घायलों का अस्पताल में उपचार हो रहा है।

नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी जी : जय सियाराम!

आज दिल्ली के रामलीला मैदान में दशहरा उत्सव के दौरान रावण वध में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अन्याय पर न्याय की विजय होगी और अच्छाई हमेशा बुराई पर परचम लहराएगी - यह महापर्व इसी परमसत्य का सबसे बेहतर और सटीक स्वरूप है।

बुराई पर हुई अच्छाई की जीत,धू धू कर जल उठा रावण का पुतला, जय श्री राम के नारों से गूंज उठा वातावरण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को हसनपुर, आदमपुर तथा उझारी में रावण का पुतला दहन किया गया बताते चलें कि क्षेत्र में विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, लोगों ने अपने-अपने घरों में दशहरा पूजन किया एवं शस्त्र पूजन भी किया, व्यापारियों ने अपने-अपने संबंधित व्यापारिक खाते अन्य वस्तुओं की पूजा की, उधर नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के निकट स्थित शिव श्री शिव महामंडल रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला में मंचन कार्यक्रम के तहत मेघनाथ, कुंभकरण आदि का वध का जीवंत मंचन दशार्या गया, मेले का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी द्वारा फीता काटकर किया गया, मंचन पर भगवान श्री राम ने रावण का वध कर दिया रावण का वध होते ही जय श्री राम के नारो से वातावरण गूंज उठा, मंच से भगवान श्री राम के स्वरूप और लक्ष्मण जी के स्वरूप के साथ रामलीला कमेटी के पदाधिकारी गण व विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी द्वारा रावण दहन स्थल पर पहुंचकर रावण के पुतले को आग के हवाले किया गया, रावण का पुतला जलते ही वातावरण जय श्री राम के नारों से गूंज उठा, उधर समिति द्वारा लगाए गए मेले में महिलाओं एवं बच्चों ने जमकर खरीदारी की तथा झूले आदि का भी आनंद लिया, उधर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत वह प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे, मेले में ब्राह्मण महासभा द्वारा जलजीरा वितरित किया गया तथा नगर पालिका द्वारा कैंप लगाकर लोगों को जलपान कराया गया, उधर नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई व्यवस्था की गई, वही कमेटी द्वारा मंच पर पालिका अध्यक्ष को भगवान श्री राम की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत किया एवं विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी को भी कमेटी द्वारा भगवान श्री राम की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया,रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी, कमेटी के अध्यक्ष पुनीत अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, गिरधारी लाल सैनी, जयपाल सैनी, विशाल शर्मा, प्रशांत शर्मा एवं नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय शर्मा, पंकज भटनागर, मयंक अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, तरुण अग्रवाल, इशांत सैनी, सौरभ सैनी, वरिष्ठ व्यापारी मुकेश अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, शिवसेना नेता अतुल अग्रवाल, एवं शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इनर व्हील क्लब आस्था हसनपुर द्वारा नवरात्रि पर किया गया डांडिया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। नगर की समाजसेवी संस्था इनर व्हील क्लब आस्था हसनपुर द्वारा नवरात्रि समापन पर शुक्रवार की देर श्याम डांडिया उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, क्लब की सभी सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के गेम भी खेले गए, सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, वही डांडिया कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर पारुल अग्रवाल रही तथा द्वितीय स्थान पर बबीता ने अपनी जीत दर्ज कराई वहीं तृतीय स्थान पर डोली अग्रवाल विजई रही, डांडिया के समय पहनी गई ड्रेस में प्रथम नेहा तथा द्वितीय स्थान पर पारुल अग्रवाल रही, सभी महिलाओं ने माता के भजनों पर मनमोहक डांडिया नृत्य किया, इस मौके पर क्लब की अध्यक्ष नीतू अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि का उत्सव मातृशक्ति का प्रतीक है अतः हमें नवरात्रि का पर्व पूरे श्रद्धा भक्ति के साथ मनाना चाहिए, इनर व्हील क्लब की सचिव पारुल अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि का पर्व मातृशक्ति का प्रतीक होने के साथ-साथ महिलाओं के मान सम्मान का भी त्यौहार है अतः सभी को मातृशक्ति की आराधना करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति श्रद्धा भाव रखना चाहिए, इस मौके पर मुख्य रूप से इनर व्हील क्लब आस्था हसनपुर की अध्यक्षा नीतू अग्रवाल, सचिव पारुल अग्रवाल, नीलिमा, बबीता, नेहा, दीशी, अंशु राजन, अंशु अग्रवाल, डोली अग्रवाल, नीता, इशिता, सीमा आदि क्लब की सदस्यए मौजूद रही।

संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे : सीएम योगी

गोरखपुर, 12 अक्टूबर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। छुआछूत, अश्पृश्यता को दूर कर एकजुट रहेंगे खुद की और राष्ट्र की भी सुरक्षा कर सकेंगे। हमें उन पाखंडों से दूरी बनाकर रहना है जिससे चलते गुलामी का दंश झेलना पड़ा और आक्रांताओं को हमारे धर्म स्थलों को खंडित करने तथा सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का मौका मिला।

सीएम योगी शनिवार शाम मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री श्री रामलीला समिति, आर्यनगर की तरफ से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी लोगों को विजयादशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठित न रहने के कारण ही गुलामी के अलग अलग कालखंड में कभी काशी में विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में राम मंदिर और मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर को अपवित्र करने दुस्साहस आक्रांताओं ने किया। हम परतंत्र होंगे तो फिर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता सिर्फ राजनीतिक ही नहीं होती। बल्कि वह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता की वाहक भी होती है। इसलिए हमें संगठित होकर स्वतंत्रता दिलाने वाले अनेकानेक बलिदानियों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना है।

सामाजिक एकता भारत की विरासत का हिस्सा

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठित रहने के लिए, संगठन की ताकत दिखाने के लिए आवश्यक है कि हम जाति, मत, संप्रदाय, भाषा, छुआछूत जैसे भेदभाव से दूर रहें। इसी संदेश से लोगों को जोड़ने के लिए अयोध्या में जहां 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना है तो वहीं श्रीराम की कथा को देने वाले महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या के एयरपोर्ट का नामकरण किया गया है। अयोध्या में रसोईगृह माता शबरी के नाम पर बनी है तो यात्री विश्रामालय भगवान राम के अभिन्न सखा निषादराज के नाम पर। यह सामाजिक एकता भारत की विरासत का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज की गले मिलती प्रतिमा का निर्माण सरकार करवा चुकी है। वर्ष 2025 में प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुम्भ का आयोजन भी विरासत के प्रति निष्ठा का प्रदर्शन होगा।

कुंभ क्षेत्र को दिव्य-भव्य और नव्य स्वरूप प्रदान कर रही है योगी सरकार

प्रयागराज, 12 अक्टूबर। प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ को योगी सरकार भव्य और दिव्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियों में जुटी है। कुंभ क्षेत्र में नदियों की बाढ़ की वजह से अभी तक कुंभ मेला प्रशासन का फोकस मेला की स्थाई तैयारियों की तरफ था लेकिन जैसे-जैसे नदियों का बाढ़ का पानी तेजी से घट रहा है अब कुंभ क्षेत्र में अस्थाई कार्यों ने भी रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया है। इन अस्थाई कार्यों में कुंभ क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी शामिल है। इसी क्रम में मेला क्षेत्र में थिमेटिक गेट्स का निर्माण किया जा रहा है। महाकुंभ में सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता के साथ-साथ महाकुंभ की सुंदरता को लेकर भी योगी सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है। महाकुंभ से पहले ही प्रयागराज को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है । सरकार का प्रयास है कि महाकुंभ के आयोजन के दौरान जब श्रद्धालु संगम नगरी पहुंचेंगे तो यहां की आभा देखकर न सिर्फ दंग रह जाएंगे, बल्कि पूरी तरह धार्मिक आस्था के रंग में सराबोर हो जाएं। शहरी इलाके में सौंदर्यीकरण की योजना पर कार्य गति पकड़ चुका है। लेकिन अब कुंभ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण की योजना पर कार्य शुरू हो गया है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि कुंभ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण की योजना के अंतर्गत 30 अस्थाई थिमेटिक गेट्स के निर्माण की योजना है । बाढ़ की वजह से यह कार्य रुका हुआ था लेकिन अब बाढ़ का पानी कम होते ही अस्थायी थिमैटिक गेट्स की स्थापना के लिए ईओआई (एक्सप्रेशन ऑफ इन्ट्रेस्ट) आमंत्रित किए गए हैं। अभी तक 10 फर्मों से अभिरूचि के सापेक्ष 600 गेटों की डिजाईन प्राप्त हुई हैं । इन 600 डिजाईन में से चयनित डिजाईनों के अनुसार वित्तीय निविदा प्रक्रियाधीन है । इन सभी गेट्स के निर्माण के लिए कुंभ की पौराणिक कथा के प्रसंग में समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों का चयन किया गया है। पौराणिक मूर्ति विज्ञान को आधार में रखकर इन गेट्स का निर्माण किया जायेगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी का कहना है कि कुंभ क्षेत्र में चारो दिशाओं में इनका इनका निर्माण होगा लेकिन मेला क्षेत्र के जिन सेक्टर्स में पर्यटकों और श्रद्धालुओं का आवागमन अधिक रहता है उनमें इन गेट्स के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी । इन गेट्स के आसपास ही मेला क्षेत्र के प्रमुख सेक्टर्स के साइनजेज भी लगाए जाएंगे। गेट्स के निर्माण में इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि रात के समय इन गेट्स में ऐसी प्रकाश व्यवस्था की जाए जिससे ये दूर से ही अपनी भव्यता के साथ यहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करें।

श्रीनाथ जी का विशिष्ट पूजन कर गोरक्षपीठाधीश्वर ने की लोक कल्याण की प्रार्थना

गोरखपुर, 12 अक्टूबर। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी पर्व के अनुष्ठान का शुभारंभ शनिवार प्रातःकाल श्रीनाथ जी (शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ) के विशिष्ट पूजन अनुष्ठान से हुआ। नाथपंथ की परंपरा का अनुसरण करते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर के विशेष परिधान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीनाथ जी की विधि विधान से पूजा-आराधना की। तदुपरांत गोरखनाथ मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का विशिष्ट पूजन किया। विजयादशमी के दिन प्रातः काल गोरक्षपीठाधीश्वर ने मंदिर के शक्तिपीठ में मां जगतजननी की पूजा की और इसके बाद गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में जाकर महायोगी गोरखनाथ जी के समक्ष हाजिरी लगाई। मंदिर के गर्भगृह में उन्होंने विशिष्ट पूजन किया और गुरु गोरखनाथ जी की आरती उतारी। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का भी विशिष्ट पूजन किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने करबद्ध होकर श्रीनाथ जी और सभी देव विग्रहों की परिक्रमा भी की और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान नाथपंथ के परंपरागत विशेष वाद्य यंत्र नागफनी, शंख, ढोल, घंट, डमरू की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्ति भाव में उल्लसित रहा।

गैस की होम डिलीवरी करने गए युवक की रिक्शा से दो सिलेंडर लेकर भागे बदमाश

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को नगर में गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी करने गए डिलीवरी बॉय की रिक्शा से दो बदमाशों ने गैस के दो सिलेंडर अपनी मोटरसाइकिल पर रख लिए और फरार हो गए, बता दे की नगर के मोहल्ला होली वाला निवासी विवेक उर्फ भोला शनिवार को मोहल्ला लालबाग में गैस की होम डिलीवरी करने गया था अपनी रिक्शा को एक मकान के आगे खड़ी करके वह होम डिलीवरी कर रहा था तभी बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और उन्होंने दो सिलेंडरों को उठाकर बाइक पर रख लिया और फरार हो गए उधर पीड़ित डिलीवरी बॉय भोला द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दी गई है, इस संबंध में कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है तथा आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक किये जा रहे हैं जिससे सिलेंडर लेकर भागने वाले बदमाशों की पहचान हो सके और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

श्रीनाथ जी का विशिष्ट पूजन कर गोरक्षपीठाधीश्वर ने की लोक कल्याण की प्रार्थना

गोरखपुर, 12 अक्टूबर। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी पर्व के अनुष्ठान का शुभारंभ शनिवार प्रातःकाल श्रीनाथ जी (शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ) के विशिष्ट पूजन अनुष्ठान से हुआ। नाथपंथ की परंपरा का अनुसरण करते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर के विशेष परिधान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीनाथ जी की विधि विधान से पूजा-आराधना की। तदुपरांत गोरखनाथ मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का विशिष्ट पूजन किया। विजयादशमी के दिन प्रातः काल गोरक्षपीठाधीश्वर ने मंदिर के शक्तिपीठ में मां जगतजननी की पूजा की और इसके बाद गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में जाकर महायोगी गोरखनाथ जी के समक्ष हाजिरी लगाई। मंदिर के गर्भगृह में उन्होंने विशिष्ट पूजन किया और गुरु गोरखनाथ जी की आरती उतारी। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का भी विशिष्ट पूजन किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने करबद्ध होकर श्रीनाथ जी और सभी देव विग्रहों की परिक्रमा भी की और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान नाथपंथ के परंपरागत विशेष वाद्य यंत्र नागफनी, शंख, ढोल, घंट, डमरू की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्ति भाव में उल्लसित रहा।

दीपावली पर्व पर अमावस्या मेले के दौरान अनुपम आभा बिखेरेगा चित्रकूट धाम

लखनऊ, 12 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ाने और तीर्थ क्षेत्रों के विकास के लिए योगी सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। अयोध्या दीपोत्सव और वाराणसी की देव दीपावली इस बात के उदाहरण हैं। इसी क्रम में अब चित्रकूट धाम में भी दीपावली के अवसर पर आयोजित होने वाले अमावस्या मेले को नव्य-दिव्य व भव्य स्वरूप देने का प्रयास योगी सरकार द्वारा किया जा रहा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद ने 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक पांच दिवसीय कार्यक्रम के मद्देनजर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। प्रक्रिया के अंतर्गत यहां विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं पर कार्य जारी हैं, मगर इन सबके बीच समूचे चित्रकूट धाम को आकर्षक साज-सज्जा से सजाने पर सबसे ज्यादा फोकस किया जा रहा है। सीएम योगी के विजन अनुसार, दीपावली व अमावस्या मेले के अवसर पर चित्रकूट धाम का कोना-कोना आकर्षक रोशनी व पुष्प सज्जा से खिल उठेगा। यहां इंटेलिजेंट एलईडी लाइटिंग गेट्स की स्थापना होगी और रामायण मेला स्थल, रामघाट, रेलवे स्टेशन समेत तीर्थ क्षेत्र के 13 हॉटस्पॉट एरिया में व्यापक सजावट प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

रंग-बिरंगी रोशनी में सराबोर होगा तीर्थ क्षेत्र

चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद की कार्ययोजना के अनुसार, दीपावली के अवसर पर आयोजित होने वाले अमावस्या मेले के लिए पूरे तीर्थक्षेत्र की व्यापक साज-सज्जा की जाएगी। इसमें दासा क्लॉथ व फूलों की लड़ियों समेत आकर्षक रंग-बिरंगी एलईडी लाइट्स को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, चित्रकूट धाम में मेला स्थल समेत 13 हॉटस्पॉट स्थलों पर इंटेलिजेंट एलईडी लाइटिंग गेट्स की स्थापना होगी, जो सहज ही यहां आने वाले लोगों की आकर्षण का केंद्र बनेंगे। यह गेट्स 40 फीट ऊंचे और 30 फीट चौड़े होंगे। यह अस्थायी पिक्सल रनिंग एलईडी गेट्स के तौर पर बनाए जाएंगे जिनका निर्माण भक्ति थीम पर आधारित होगा। इसमें प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़ी घटनाओं को शोकेस किया जाएगा। इन गेट्स के कवर अप रीजन को दासा क्लॉथ, फूलों की लड़ियों और प्रभु श्रीराम के कटआउट्स से सजाया जाएगा। मेला स्थल पर स्थापित होने वाले प्रमुख गेट पर धनुष की आकृति और प्रभु श्रीराम के कटाउट को लगाकर इसे भी बड़े सुंदर तरीके से सजाया जाएगा। वहीं, एलईडी स्क्रीन्स, टैबल्यू समेत तमाम प्रॉप्स की मदद से आयोजन स्थल को आकर्षक बनाया जाएगा। इसके साथ ही, पूरे तीर्थक्षेत्र को रंग-बिरंगी लाइट्स और फूलों की लड़ियों से सजाया जाएगा।

प्रभु श्रीराम ने खुद मंदाकिनी नदी में किया था दीपदान

-प्रभु श्रीराम को चित्रकूट कितना प्रिय था यह किसी से छिपा नहीं है। वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने 11 वर्षों की अवधि इसी क्षेत्र में व्यतीत की थी।

-चित्रकूट के कण-कण में प्रभु श्रीराम का वास व सानिध्य मिलता है और यही कारण है कि दीपावली के अवसर पर देश-दुनिया से लाखों की तादात में श्रद्धालु यहां मंदाकिनी नदी स्थित रामघाट समेत विभिन्न घाटों पर दीपदान करने आते हैं।

-एक मान्यता यह भी है कि प्रभु श्रीराम जब लंका विजय के बाद अपनी राजधानी अयोध्या लौट रहे थे तब चित्रकूट में थोड़ी देर रुककर उन्होंने यहां ऋषि-मुनियों से मुलाकात की थी और उनकी आज्ञा से मंदाकिनी नदी में दीप दान कर अपनी विजय पर आभार जताया था।

-तब से यह परंपरा आज भी चली आ रही है और प्रभु श्रीराम को पूजने वाले लाखों श्रद्धालु इस दिन मंदाकिनी नदी में दीपदान करने के साथ कामदगिरी की परिक्रमा करते हैं और कामतानाथ समेत तीर्थ क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों व आध्यात्मिक स्थलों का दर्शन करते हैं।

-खासतौर पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत देश के विभिन्न कोनों से इस अवसर पर श्रद्धालु चित्रकूट धाम आते हैं।

-ऐसे में, प्रभु श्रीराम की पावन स्मृतियों को सहेजने के साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षक साज-सज्जा से मंत्रमुग्ध कर देने में कोई कसर योगी सरकार व चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद नहीं छोड़ना चाहता है।

इन स्थानों पर होगी एलईडी गेट्स की स्थापना समेत व्यापक सजावट...

यूपीटी चौराहा-सीतापुर, रामायण मेला क्षेत्र, रामघाट, बरहा के हनुमान जी, निमोहीं अखाड़ा, खोही तिराहा, पटेल तिराहा-कर्वी, धनुष चौराहा-कर्वी, रेलवे स्टेशन रोड-कर्वी, मंदाकिनी ब्रिज व मंदिर-कर्वी, मंदाकिनी ब्रिज-रामघाट, बाल्मीकि आश्रम लालापुर व भरतकूप मंदिर।

हाईवे पर टक्कर के बाद ट्रक में लगी आग, चालक की जलकर दर्दनाक मौत

अमरोहा। हाईवे पर आगे चल रहे ट्रक के चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक उससे टकरा गया और आग लग गई। इस हादसे में ट्रक चालक की जलकर मौत हो गई। जबकि आगे वाले ट्रक का चालक भाग निकला। दोनों ट्रक जलकर राख हो गए। घटना से हाईवे पर दो घंटा तक वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतक के स्वजन को सूचना दे दी गई है।

रात तीन बजे हुआ हादसा

यह हादसा बुधवार रात लगभग तीन बजे डिडौली कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर संभल चौराहा स्थित ओवरब्रिज पर हुआ। बरेली से मैदा लेकर दिल्ली जा रहा ट्रक लगभग तीन बजे जब ओवरब्रिज पर पहुंचा तो आगे चल रहे ट्रक के चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। इससे पीछे से आ रहा ट्रक उसमें टकरा गया।

दहेज की मांग पूरी न होने पर तमंचे से धमकाया, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की

गजरौला : दहेज की मांग पूरी न होने पर पति ने अपनी पत्नी के घर पर पहुंचकर उन्हें तमंचे से धमकाया। इस पर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव कांकाठेर निवासी शीलत की शादी वर्ष 2019 में हसनपुर क्षेत्र के गांव करनखाल निवासी देवेंद्र सिंह से हुई थी। आरोप है कि ससुरालियों ने शादी के बाद दो लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। अब वह अपने मायके में रहती है। आरोप है कि 11 अगस्त को आरोपित पति तमंचा लेकर अपनी पत्नी के घर पर गया और दो लाख रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि मामला कोर्ट के आदेश पर दर्ज कर लिया गया है।

नवरात्र पर कपड़ा बाजार भी चमका, दो करोड़ के कारोबार का अनुमान

अमरोहा। नवरात्रों पर कपड़ा बाजार भी चमक गया है। कारोबारी ने बच्चों और बड़ों के रेडीमेड कपड़ों से लेकर आकर्षक डिजाइनों में साड़ी, सूट सलवार बिक्री के लिए बाजार में उतारी गई। बड़ी संख्या में ग्राहक बाजार में कपड़ों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। जिससे अबकी बार कपड़ा बाजार से लगभग दो करोड रुपए के कारोबार का अनुमान है। नवरात्रों पर कपड़ा बाजार भी गुलजार हो गया है, क्योंकि इस अवसर पर बड़ी तादाद में कपड़ों की खरीदारी होती है। लिहाजा त्योहार को भुनाने के लिए कारोबारियों ने आकर्षक डिजाइनों में फैंसी साड़ियां, लेडीज कुर्ती, लहंगे, लांचे, पेंट-शर्ट और बच्चों के कपड़ों का पहले ही अपनी-अपनी दुकानों में स्टाक कर लिया था। जिसमें नवरात्रों में कपड़ा बाजार में ग्राहकों की चहल पहल हो गई है।

पंजाब सरकार ने अवैध खनन पर नकेल कस दी है

अमृतसर के अजनाला में खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टास्क फोर्स ने छापेमारी की

›› खनन एवं भूविज्ञान मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने लोगों से अपील की है कि वे अपने आसपास किसी भी संदिग्ध खनन गतिविधि की जानकारी तुरंत अधिकारियों को दें ।

(डिप्टी ब्यूरो दलजीत कुमार बिट्टू)

अमृतसर 12 अक्टूबर : पंजाब के खनन एवं भू -विज्ञान मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल द्वारा विभाग के अधिकारियों को अवैध खनन पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश देते ही राज्य में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। आज विभाग के अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त टास्क फोर्स ने अमृतसर जिले में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस ऑपरेशन के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए खनन एवं भू - विज्ञान मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि खनन विभाग के सी.एम. भगवंत सिंह मान के आदेशानुसार अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस अभियान के दौरान टीम ने अमृतसर के अजनाला जिले के ढिंगाई गांव में एक अवैध खनन स्थल की खोज की। टीम ने मौके पर छापा मारा और वहां अनधिकृत खुदाई के सबूत मिले श्री गोयल ने बताया कि टीम ने मॉक पर एक पोकलेन मशीन और अन्य मशीनरी बरामद की है अधिकारियों ने तुरंत इस मशीनरी का दस्तावेजीकरण किया और इसे जब्त कर लिया इस छापेमारी के दौरान दो व्यक्तियों हरप्रीत सिंह और जसबीर सिंह के बीच एक संदिग्ध समझौता भी सामने आया है , जिसमें मिट्टी खोदने की अनुमति दी गई थी . उन्होंने कहा कि इस समझौते की वैधता की जांच की जा रही है कैबिनेट मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि इस तरह की अनाधिकृत गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी उन्होंने कहा कि हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी । उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को तत्काल खुदाई करने वालों और जमीन मालिक दोनों के खिलाफ एफ . मैं। आर। पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं उन्होंने कहा कि अवैध खनन गतिविधियों में शामिल सभी मशीनरी को पुलिस ने जब्त कर लिया है? श्री गोयल ने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास किसी भी संदिग्ध खनन गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें । उन्होंने कहा कि अवैध खनन के खिलाफ यह अभियान नये सिरे से जारी रहेगा। आपको बता दें कि छापेमारी के इस पूरे अभियान की निगरानी अधिकारियों की वर्दी पर लगे बॉडी कैमरे से की गई . इन कैमरों के माध्यम से लाइव फुटेज की निगरानी सीधे चंडीगढ़ में राज्य मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई और इस नवीनतम उपाय से पारदर्शिता सुनिश्चित हुई ।

हरियाणा में दशहरे के दिन 8 लोगों की मौत

सभी एक परिवार के, मंदिर जाते हुए नहर में गिरी कार; पीएम मोदी ने दुख जताया

सुखविंदर सोही

हरियाणा। के कैथल में शनिवार को दशहरे पर ऑल्टो कार नहर में गिर गई। हादसे में कार सवार 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के 8 लोग शामिल हैं। वे कैथल के डीग गांव के रहने वाले थे। परिवार शनिवार सुबह कार से मंदिर में माथा टेकने के लिए जा रहा था। जब वे मुंदड़ी पहुंचे तो उनकी कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। ग्रामीणों ने कार को नहर में गिरते देखा तो वे मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकाला गया। कार में सवार सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा- 'हरियाणा के कैथल में हुआ सड़क हादसा हृदयविदारक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन मौके पर हर संभव मदद में जुटा है।'

10-15 मिनट में कार को बाहर निकाला

प्रत्यक्षदर्शी प्रदीप शर्मा ने भावुक होते हुए बताया कि गाड़ी अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। मौके पर मौजूद लोग भागकर घटनास्थल पर पहुंचे। गाड़ी में सवार लोगों को बचाने के लिए नहर में कूद गए। करीब 10-15 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी को बाहर निकाला गया। उस समय 2 लोग जीवित थे। जब तक उन्हें अस्पताल ले जाया गया, तब तक उनकी भी मौत हो गई। मरने वालों में 3 बच्चे भी शामिल हैं। हमने अपने हाथों से बच्चों के शव गाड़ी से बाहर निकाले हैं। घटना से गांववाले काफी दुखी हैं।

त्योहारी सीजन में जमकर खरीदारी कर रहे उपभोक्ता

पानीपत सुखविन्दर सोही

पानीपत। नवरात्रों से त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है। लोगों ने भी खरीदारी शुरू कर दी है बाजार सजने लगे हैं और बड़े-बड़े ब्रांड्स उपभोक्ताओं को लुभामानी स्कीम में भी दे रहे हैं। इसी क तहत ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस मीशो ने अपनी प्रमुख मीशो मेगा ब्लॉकबस्टर सेल के दौरान शानदार बिक्री दर्ज की है। कंपनी को इस साल मांग में शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली और पिछले साल की तुलना में कुल ऑर्डर्स की संख्या 40 फीसदी से अधिक रही। इसके अलावा, सेल की अवधि में इस प्लेटफॉर्म के साथ लोगों का जुड़ाव भी बहुत बढ़ गया और उसके 3 करोड़ से ज्यादा ऐप डाउनलोड्स हुए। सेल के दौरान कई सारे यूजर्स ने मीशो को चुना और ट?यौहारों की खरीदारी में बेहतरीन सौदे किये। अकेले हरियाणा में ही ऐप डाउनलोड्स में पिछले साल की तुलना में 135% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। यह क्षेत्र में मीशो के लिये बड़े पैमाने पर इसका आकर्षण दिखाता है। हरियाणा में खरीदारों ने जो उत्पाद सबसे ज्यादा खरीदे, उनमें ब्लूटूथ हेडफोन्स और ईयरफोन्स, लहंगा चोली, स्मार्ट घड़ियाँ, एक्सटेंशन बोर्ड्स, मोबाइल कवर्स और कॉटन की चादरें शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा में इस साल की मेगा ब्लॉकबस्टर सेल के दौरान ऑर्डर्स में 70% और यूजर्स की संख्या में जबर्दस्त 55% की वृद्धि हुई। इससे राज्य में ऑनलाइन खरीदारी के लिये लोगों के उत्साह का पता चलता है। शानदार सफलता के बारे में,मीशो में यूजर ग्रोथ के जनरल मैनेजर मिलन परतानी ने कहा, सबसे कम दामों पर सबसे बड़ा सेलेक्शन पेश करना ग्राहकों को जोड़ना सबसे प्रमुख रहा।

करनाल के विधायक जगमोहन आनंद को मंत्री बनाया जाए: अग्रेज सिंह पन्नू

कहा: प्रदेश भर में पंजाबी समुदाय का प्रतिनिधत्व करते हैं जगमोहन आनंद

करनाल, सूखविंदर सोही

करनाल हलके से नव निर्वाचित विधायक जगमोहन आनंद को हरियाणा प्रदेश के मंत्रिमंडल में स्थान देने की मांगसिख समुदाय के युवा नेता अंग्रेज सिंह पन्नू ने की हैं। उन्होंने कहा कि जगमोहन आनंद प्रदेश में एक मात्र ऐसे नेता है जो गुरुओं की परंपरा मानने के साथ पंजाबियत तथा छत्तीस विरादरी का सम्मान करने वाले नेता हैं। उनका सिख समुदाय भी मान सम्मान करता हैं। उन्होंने भी सिख समुदाय के लोगों को मान सम्मान करने में कसर नहीं छोड़ी हैं। उन्होंने कहा कि करनाल से दो दो मुख्यमंत्रियों मनोहर लाल तथा नायाब सिंह सैनी ने विधानसभा में करनाल का प्रतिनिधित्व किया हैं। व करनाल सीएम सिटी के नाम से जाना जाता रहा हैं। और अब समूचे सिख और पंजाबी समुदाय की मांग है कि करनाल से जगमोहन आनंद को मंत्री बनाया जाए। जिससे

करनाल का प्रतिनिधत्व प्रदेश के मंत्रिमंडल में रहे। और करनाल विकास की नई बुलंदियों को छूए। यदि जगमोहन आनंद हरियाणा सरकार में मंत्री बनते हैं। तो करनाल का विकास तेजी से होगा। और जगमोहन आनंद में यह क्षमता है कि वह करनाल के विकास में कोई कसर नहीं छोडेंगे। करनाल में पहले भी जहां भजन लाल सरकार में जयप्रकाश गुप्ता और बंसी लाल की हविपा भाजपा गठबंधन सरकार में शशीपाल मैहता मंत्री रह चुके हैं। ऐसे में करनाल को प्रदेश के मंत्रिमंडल में स्थान जरूर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में विधानसभा चुनाव समाप्त हो चुके हैं। भाजपा सरकार को पूर्ण बहूमत मिला हैं। इसी के चलते जगमोहन आनंद करनाल से भारी मतो से जीत कर विधायक बने हैं। और अब पूरे करनाल की जनता का प्रतिनिधत्व कर रहे हैं। और हमें आशा है कि वह भेदभाव व जात पात की राज?

भारत की खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा भी सुरक्षित करती हैं गेहूं एवं जौं की फसल

प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए अतिथि।

करनाल, अक्तूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी एवं राष्ट्रीय गेहूं एवं जौं अनुसंधान संस्थान, करनाल के संयुक्त तत्वाधान में गेहूँ और जौ उत्पादन प्रौद्योगिकियों के अपस्केलिंग और आउट स्केलिंग के लिए प्रभावी विस्तार विधियाँ विषय पर चल रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार ने की जबकि राष्ट्रीय गेहूं एवं जौं अनुसंधान संस्थान, करनाल के कार्यवहाक निदेशक डा. ओमबीर सिंह ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। डा. ओमवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि गेहूं एवं जौं प्रमुख खाद्यान्न फसले हैं जो भारत की खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा भी सुरक्षित करती हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों फसलों की नई एवं कारगर किस्मों को बढ़ावा देना चाहिए ताकि किसानों को बेहतर उत्पादन मिल सके जो बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिए महत्पूर्ण है। इस दौरान डा. संजय कुमार ने बताया कि यह संस्थान वाईस-चांसलर प्रोफेसर बी. आर. कांबोज, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेतृत्व में उत्तर भारत के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि विज्ञानिकों, कृषि, उद्यान, पशु-पालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास इत्यादि विभागों के विस्तार अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है। प्रशिक्षण संयोजक डा. भरत सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एंव उत्तराखंड के कृषि विज्ञानिकों एवं विस्तार अधिकारियों ने हिस्सा लिया है। प्रशिक्षण के दौरान विस्तार अधिकारियों को राष्ट्रीय गेहूं एवं जौं अनुसंधान संस्थान, करनाल के संग्रहालय, जर्मप्लाज्म केंद्र, एवं बीज संशोधन केंद्र के साथ-साथ गुणवत्ता संवर्धन प्रयोगशाला इत्यादि का भ्रमण भी करवाया गया। इस दौरान मंच संचालन का कार्य प्रशिखण सह संयोजक डा. अुनज कुमार के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न संस्थानों से व्याख्यानों के लिए विशेषज्ञों को भी आर्मत्रित किया गया था जिन्होंने प्रशिक्षण विषय संबधी व्याख्यान दिए। समापन कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान संस्थान के सभी कर्मचारी एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।

धान खरीद में हो देरी तो हैल्प लाइन नंबर पर करें शिकायत : एडीसी

करनाल : करनाल के एडीसी यश जालुका ने कहा कि हरियाणा में धान की खरीद का कार्य तेजी से चल रहा है। इस दौरान किसानों को धान बेचने में कोई परेशानी न आए इसे लेकर हैल्प लाइन नंबर जारी किया है। यह हैल्प लाइन नंबर 0184-2233134 है। उन्होंने कहा कि इस हैल्प लाइन नंबर पर सप्ताह के सातों दिन सुबह 8 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक कोई भी किसान फोन कर सकता है। यदि किसान की फसल खरीद में कोई देरी हो तो उससे जुड़ी शिकायत इस नंबर पर कर सकता है। इसके साथ-साथ मंडी से जुड़ी कोई शिकायत भी इस नंबर पर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि किसान की फसल एमएसपी से कम दाम पर खरीदी जा रही है तो उससे जुड़ी शिकायत भी इस नंबर पर कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायत मिलने पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी। एडीसी यश जालुका ने कहा कि किसानों की फसल खरीद को लेकर जिला प्रशासन बेहद गंभीर है। किसानों को किसी तरह की कोई परेशानी न आए, इसके लिए निरंतर मंडियों में खरीद एजेंसियों व मार्किटिंग बोर्ड को निर्देश दिए जा रहे हैं और आला अधिकारियों द्वारा मंडियों का दौरा भी किया जा रहा है। किसान मंडी में समय से फसल लेकर पहुंचे, खरीद से जुड़ी समस्या आने पर इस हैल्प लाइन नंबर पर संपर्क कर सकता है।

सरकार द्वारा धान की फसल का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जाएगा : राम कुमार कश्यप

नवनिर्वाचित विधायक राम कुमार ने अनाज मंडी का दौरा कर धान खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

इन्द्री अक्टूबर। इन्द्री के विधायक रामकुमार कश्यप ने आज इन्द्री अनाज मंडी में धान की फसल के उठान व आढ़तियों तथा किसानों की समस्याओं को लेकर अनाज मंडी का दौरा किया और फसल उठान व खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ एसडीएम सुरेन्द्र पाल, मार्किट सचिव जसबीर सिंह व सरकारी खरीद एजेंसियों के अधिकारीगण भी मौजूद रहे।विधायक रामकुमार कश्यप ने अनाज मंडी निरीक्षण के दौरान बताया कि किसानों की फसल का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जाएगा और किसान को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

इन्द्री अनाज मंडी का दौरा करने पहुंचे विधायक रामकुमार कश्यप।

उन्होंने कहा कि अनाज मंडी में धान की आवक अधिक होने की वजह से उठान के कार्यों में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे मंडी से धान के उठान में और अधिक तेजी लाए। उन्होंने किसान से आह्वान किया फसलों को सुखाकर व साफ करके मंडी में लाए ताकि उनकी फसल को सरकारी एजेंसियों द्वारा एमएसपी पर खरीद किया जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की 17 प्रतिशत से कम नमी वाली धान को एमएसपी पर खरीदा जाए। उन्होंने व्यापारियों और किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों से मंडियों में अब तक हुई आवक, खरीद, उठान, गेट पास, ट्रांसपोटेशन सहित अन्य विषयों के बारे में फीडबैक रिपोर्ट भी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इस बात पर फोकस रखना चाहिए की मंडियों में किसानों और व्यापारियों को पीने के पानी, शौचालय, सफाई व्यवस्था, बिजली सहित अन्य सुविधाएं मिले।

जीत पर लोगों का जताया आभार

नवनिर्वाचित विधायक ने जीत दर्ज करने पर हल्का वासियों आभार व्यक्त कर किया धन्यवाद नवनिर्वाचित विधायक रामकुमार कश्यप का अनाज मंडी में पहुंचने पर आढ़तियों, किसानों व व्यापारियों ने किया स्वागत। इस मौके पर उन्होंने हल्का वासियों सहित आढ़तियों, किसानों व व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने हल्का वासियों को विजयदशमी की शुभकामनाएं भी दी।

जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखरे प्रतिभा के रंग

शिविर के दौरान संबोधित करते अतिथि।

करनाल : पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करनाल में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत डीपीसी उर्वशी विज व जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एपीसी अंजू के नेतृत्व में जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एपीसी अंजू ने बताया कि जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम में जिले के ब्लॉक स्तर पर स्कूलों एवं प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने कक्षा 9 से 12वीं तक विद्यार्थियों ने संगीत गायन, संगीत वादन, नृत्य, दृश्य कला, पारंपरिक कहानी, गायन रंगमंच आदि विधाओं में भाग लिया। डीपीसी उर्वशी विज ने कहा कि इस प्रकार की कार्यक्रम से बच्चों में छिपी प्रतिभा निखरकर सामने आती है। डीईओ सुदेश ठुकराल ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है वह विद्यार्थी 20 से 22 अक्टूबर को होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। मंच संचालन की भूमिका एबीआरसी ईशा चौधरी ने निभाई। कार्यक्रम के विभिन्न विधाओं में जज की भूमिका संतोष, रीति तनेजा, अंजू शर्मा, अजय कश्यप, संजीव, वीरेंद्र आदि ने निभाई। इस अवसर पर डीईओ सुदेश ठुकराल, उर्वशी विज, एपीसी अंजू, बीआरसी जोगिंद्र, ईशा चौधरी, दिनेश, दलीप सिंह एबीआरसी सुनील शर्मा, युगल, ललित, तुषार राणा, रीटा, रेनू, डिम्पल व प्रवीन आदि मौजूद रहे।

कंजक पूजन के बाद व्रतधारियों ने अपने व्रत को किया पूर्ण

कंजक पूजन करते हुए।

नीलोखेड़ी : श्री दुर्गाष्टमी का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से मन्दिरों में लोगों की भीड़ जुटने लगी। मन्दिर माथा टेकने के बाद लोगों ने अपने-2 कंजक पूजन किया। कंजक पूजन के बाद व्रतधारियों ने अपने व्रत को सम्पूर्ण किया। समाज में लडकी-लडके के गिरते अनुपात का असर भी स्पष्ट दिखाई दिया। कंजकों की तलाश में महिलाएं गली-2 घूमती दिखाई दी। कई लोगों ने तो दूसरे मोहल्लों से अपने वाहन में बिठाकर घर लाए। धार्मिक मान्यता अनुसार छोटी-2 कन्याओं को कंजक के रूप में पूजने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। घर में खुशहाली और आपसी प्यार मजबूत होता है। ममता, रितु, सोनिया तथा सन्तोश, रजनी, मोना, प्रिया, एकता, आदि ने बताया कि नवरात्रि में माता के व्रत रखना और कंजक पूजन हमारी समृद्ध संस्कृति का अभिन्न अंग है। माँ के व्रत रखने और कंजक पूजन से माँ का आशीर्वाद मिलता है।

काउंसलिंग सेल टीम ने स्कूली बच्चों को किया जागरूक

करनाल, अक्तूबर : काउंसलिंग सेल टीम द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव डाकवाला गुजरान में बच्चों को महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के बारे विस्तार से बताते हुए जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि इन अपराधों से स्वयं को किस प्रकार सुरक्षित रख सकते हैं। टीम की इन्चार्ज महिला उप निरीक्षक बबीता ने छात्राओं को बताया कि महिला सशक्तिकरण का मतलब है सभी महिलाओं को शक्तिशाली बनाना ताकि वे खुद के लिए निर्णय लेने में सक्षम हो सकें। इसका मतलब है कि महिलाएं अपनी बात कह सकती हैं, अपने फैसले खुद ले सकती हैं और अपनी पसंद का जीवन जी सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे सभी को मदद मिलती है। महिलाओं को सशक्त बनाने से न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से लाभ होता है बल्कि सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास भी होता है। बबीता ने छात्राओं को महिला विरुद्ध अपराधों के बारे में बताते हुए कहा कि यौन दुर्व्यवहार, शोषण और हिंसा, एसिड हमले, बलात्कार या बाल विवाह आदि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध हैं और इसके अलावा कई बार शादी के बाद ससुराल पक्ष द्वारा महिला को शारीरिक, आर्थिक और भावनात्मक रूप से प्रताड़ित किया जाना भी महिला विरुद्ध अपराधों में शामिल है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव डाकवाला गुजरान में विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए।

छुट्टी के दिन भी पराली जलाने वालो पर विशेष निगरानी : डॉ. वजीर

चौहान,

करनाल : जिला के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ. वजीर ने बताया की पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए लगातार हो रहे प्रयासों के बावजूद कुछ घटनाएं सामने आने पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सख्त रूख अपनाया गया है तथा पराली जलाने वालों पर एफआईआर के साथ-साथ गिरफ्तारी के निर्देश दिए गये हैं। इसी के मद्देनजर विभाग द्वारा फील्ड में, विशेष रूप से अवकाश के दिनों में किसानों द्वारा पराली जलाने की घटनाओं को ज्यादा अंजाम देने की आशंका के मद्देनजर सतर्कता बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये जिला प्रशासन भी पूरी निगरानी रख रहा है। विभाग का पूरा प्रयास है कि ऐसी घटनाओं पर पूरी तरह से रोक लगे। जानकारी अनुसार सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि पराली जलाने की कोई घटना न हो। उन्होंने बताया कि विभाग का पूरा प्रयास है कि कोई भी किसान पराली न जलाये और जुमार्ना या किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही उस पर न हो। फिर यदि कोई किसान बार-बार समझाने के बावजूद नहीं मानता है तो पुलिस विभाग द्वारा भी उसके विरूद्ध नियमानुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे पराली में आग न लगाएं। साथ ही फील्ड में तैनात स्टाफ से भी अनुरोध किया कि अवकाश के दिनों में विशेष सतर्कता बरतें। ड्यूटी से गैर हाजिर न रहें वरन उचित कार्यवाही की जाएगी।

जानकारी देते उप निदेशक डॉ. वजीर।

विद्यार्थियों को पर्यटन उद्योग से जुड़ी संभावनाओं और करियर विकल्पों के बारे किया जागरूक

गुरु नानक खालसा कॉलेज में विशेष पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

करनाल, अक्तूबर : गुरु नानक खालसा कॉलेज में आज एक विशेष पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यीतिथि के रूप में डा. आर. के. सुमन, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तर भारत, पर्यटन मंत्रालय, उपस्थित रहे। उनके साथ श्री संजय सचान, पर्यटन सूचना अधिकारी, पर्यटन मंत्रालय भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पर्यटन उद्योग से जुड़ी संभावनाओं और करियर विकल्पों के बारे में जागरूक करना था। डा. आर.के. सुमन ने छात्रों को संबोधित करते हुए 'युवा पर्यटन क्लब' की महत्ता पर जोर दिया, जो कि पर्यटन मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस क्लब का उद्देश्य छात्रों में पर्यटन के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें भारत के विविध सांस्कृतिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी देना है। उन्होंने बताया कि यह क्लब छात्रों को पर्यटन के क्षेत्र में न केवल जानकारी प्रदान करेगा बल्कि उन्हें इस उद्योग में करियर बनाने के लिए प्रेरित भी करेगा। डा. आर.के. सुमन ने यह भी बताया कि पर्यटन उद्योग में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में करियर के अनेक अवसर हैं, जैसे पर्यटन गाइड, टूर ऑपरेटर, होटल प्रबंधन, इवेंट प्लानिंग, और ट्रैवल एजेंट। इस अवसर पर गुरु नानक खालसा कॉलेज की प्रिंस1पल शशि मदान ने भी छात्रों को संबोधित किया और इस तरह के कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे इस पहल का लाभ उठाएं और पर्यटन के क्षेत्र में अपने करियर को सशक्त बनाने के लिए इसे एक अवसर के रूप में देखें। कार्यक्रम में डा. सोनिया वधावन, डा. परवीन, और प्रो. अनिल भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों के साथ संवाद कर उन्हें पर्यटन उद्योग से जुड़े विभिन्न आयामों और करियर की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

गुरु नानक खालसा कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते अतिथि।

कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं को व्यक्त किया और पर्यटन उद्योग से जुड़ी संभावनाओं पर विशेष चर्चा की। कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवर जीत सिंह प्रिंस ने इस सफल आयोजन के लिए प्रिंसिपल ,स्टाफ और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

महालक्ष्मी मंदिर मुरादगढ़ में 101 कन्या पूजन कर अष्टमी का पर्व मनाया

गांव मुरादगढ़ में स्थित महालक्ष्मी मंदिर में कंजक पूजन के दौरान उपस्थितजन।

इन्द्री : उपमंड़ल के गांव मुरादगढ़ में स्थित महालक्ष्मी मंदिर में शरद नवरात्रि का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर हवन यज्ञ किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए महालक्ष्मी मंदिर के संचालक भगत जोगिन्द्र ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी शरद नवरात्रि पर्व मनाया गया जिसमें सुबह हवन यज्ञ किया गया। इस मौके पर 101 कंजकों का पूजन कर उन्हें वस्त्र दक्षिणा इत्यादि दिए भेंट किए गए। पवित्र नवरात्रों के दौरान दो ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तमी का पाठ करवाया गया। भगत जोगिन्द्र जी ने बताया कि यह परंपरा पिछले 37 वर्षों से चली आ रही है ओर मां लक्ष्मी की कृपा से आगे भी चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि मंदिर में हर हिंदू पर्व को बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है जिसमें सभी गांववासियों का भरपूर सहयोग मिलता है। भगत जी ने कहा कि हमें लडका व लडकी में कोई भेद नहीं रखना चाहिए ओर लड़कियों की शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अपील की कि कन्या भ्रूण हत्या एक पाप है ओर हमें इससे बचना होगा तभी भारत का भविष्य उज्जवल होगा। इस मौके पर भंड़ारे का भी आयोजन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

डीआरआई ने महानायक रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

चित्रकूट। भारतीय उद्योग और समाजसेवा के महानायक, पद्म भूषण रतन टाटा के निधन पर दीनदयाल शोध संस्थान में शोकसभा का आयोजन किया गया। दीनदयाल शोध संस्थान राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि रतन टाटा का निधन न केवल उद्योग जगत बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने कार्यकाल में देश की उद्यमिता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और सामाजिक सेवा के अनगिनत प्रकल्पों के जरिए देश की सेवा की। रतन टाटा सदैव भारत के अनमोल रत्न के रूप में भारतीय क्षितिज पर चमकते रहेंगे। डीआरआई कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने कहा कि रतन टाटा ने चित्रकूट में आरोग्यधाम जैसा प्रकल्प स्थापित कर अपने दादाजी जेआरडी टाटा की स्मृति को सजीव रखा। इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों में भी शोकसभा आयोजित की गई। जिसमें कार्यकर्ताओं ने रतन टाटा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

मिलावटी खाद्य पदार्थो पर चलाया अभियान

चित्रकूट। सहायक आयुक्त (खाद्य) सुश्री प्रियंका सिंह ने बताया कि नवरात्रि एवं आगामी दशहरा पर मिलावटी खाद्य पदार्थो पर प्रभावी रोकथाम के लिए अभियान दल ने खाद्य पदार्थ सिघांड़ा आटा का नमूना संग्रहीत किया। सहायक आयुक्त (खाद्य) चित्रकूटधाम मण्डल के नेतृत्व में जनपदीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा मे0 कामधेनु स्वीट्स, कर्वी से काजू की बर्फी का एक नमूना संग्रहीत किया गया। विभिन्न खाद्य पदार्थो के कुल दो नमूनें संग्रहीत किया गया।

धूमधाम से निकला रामदल, नगरवासियो ने किया स्वागत

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद द्वारा चित्रकूट धाम कर्वी गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ महानवमी के दिन नगर में राम दल निकाल गया जिसमें राम की सेना के रूप में हजारों की तादाद में नगरवासियों की मौजूदगी उल्लेखनीय रही। रामलीला भवन में प्रभु श्री राम लक्ष्मण हनुमान जी की आरती पूजन कर राम दल को अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, राम भक्त विवेक अग्रवाल, ईओ लालजी यादव, अभिमन्यु भाई, सभासद शंकर यादव, अनुज निगम, पवन बद्री, राजा साहू राकेश केसरवानी ने रवाना किया। गाजे बाजे डीजे, हाथी घोड़ा और करीब एक दर्जन प्रभु श्रीराम की झांकी भगवान शंकर की झांकी और उत्कृष्ट कलाकार रामलीला का मंचन करते हुए पूरे नगर में जय श्री राम की जय जयकार करते हुए रामदल का शानदार प्रदर्शन किया। जगह-जगह नगर वासियों ने श्रीराम सीता लक्ष्मण और हनुमान जी महाराज की आरती उतारी नगर वासियों ने पुष्प वर्षा कर राम दल में शामिल राम भक्तों का स्वागत किया। अध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह ऐतिहासिक रामलीला 163 वर्षों से पूर्वजों के द्वारा शुरू की गई थी जो आज भी परंपरागत ढंग से नगर पालिका और नगर वासियों के सहयोग से आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर गिरीश अग्रवाल, नरोत्तम सिंह, राजीव श्रीवास्तव, चंद्रप्रकाश खरे, मुन्ना करवरिया, अरुण त्रिपाठी, राजू बनारसी, नरेश केशरवानी, राजेश सोनी, महेश जायसवाल, शुभम केसरवानी, जानकीशरण गुप्ता, जेई संतोष कुमार राठौर, सुंदर लाल मिश्र, कमलाकांत शुक्ला, रवि कौशल, अभिषेक सिंह, अंकित जायसवाल, ज्ञान गुप्ता सुभाष गुप्ता, कर्मोत्तम सिंह, लवकुश आदि मौजूद रहे।

गृह कलह से तंग वृद्ध कुएं में कूदा, मौत

■ चित्रकूट

राजापुर थाना क्षेत्र के गनींवा चौकी अंतर्गत वृद्ध ने गृह कलह से तंग आकर कुएं में कूदकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव का पँचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए कर्वी भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कन्धवनिया के निवासी शिवगणेश पुत्र नन्दलाल (73) ने घरेलू विवाद से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता तब चला जब परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की और गांव के कुएं में एक शव तैरता हुआ देखा। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना राजापुर पुलिस को दी, जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह और एसआई अंकित सिंह मौके पर पहुंचे। शिवगणेश लंबे समय से लकवाग्रस्त थे, और उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं था। उनका एक बेटा किशनकिशोर उर्फ बीरू और पांच बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। घटना के समय उनकी पत्नी शीला देवी मायके धाता जनपद कौशांबी में थीं। इस दुखद घटना से परिवार में शोक की लहर है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के खरसेड़ा में 17 वर्षीय संत शरण उर्फराजू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। परिजनों ने हत्या बताते हुए गंभीर आरोप लगाए।जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम बजे संत शरण खेत जाने के लिए घर से निकला था। एक घंटे बाद, लगभग 8 बजे परिजनों ने उसे खेत के रास्ते में अचेत अवस्था में पड़ा पाया। उसे पहाड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शुक्रवार दोपहर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा। परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी संजय और उसके परिवार से उनके पुराने विवाद के चलते यह हत्या की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। जिससे मौत के असली कारण का पता चल सके। घटना से गांव में शोक का माहौल है। परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीएम-एसपी और अधिकारियों ने किया फ्लैग मार्च

कालूकुआं चौराहे से मुख्य बाजार तक किया भ्रमण

■ बांदा

डीएम नगेंद्र प्रताप और एसपी अंकुर अग्रवाल के अलावा एएसपी शिवराज, एडीएम राजेश कुमार समेत पुलिस फोर्स ने फ्लैग मार्च किया। कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार का उपद्रव करने वालों से सख्ती के साथ निपटा जाएगा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाए जाने की अपील की।

भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के साथ ही दशहरा पर्व और आगामी त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाएं ताकि शांति व्यवस्था प्रभावित न हो। शांति व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने गुरुवार की रात को कालूकुआं चौराहे से मुख्य बाजार तक भ्रमण किया। फ्लैग मार्च में क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित उप जिलाधिकारी सदर अमित शुक्ला और अन्य अधिकारियों के साथ पुलिस फोस मौजूद रही।

चित्रकूट में एसपी ने पुलिस बल के साथ बाजार मे किया गश्त

चित्रकूट। नवरात्रि त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में मानिकपुर पुलिस बल द्वारा नवरात्रि पर मिश्रित आबादी क्षेत्र एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गस्त किया।

पुलिस टीम द्वारा दुकानदारों, एवं क्षेत्रीय नागरिकों से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया तथा संदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों से पूंछताछ की गयी।

पैदल गस्त के दौरान प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर दुर्ग विजय सिंह, पीआरओ प्रवीण सिंह उपस्थिति रहे।

हनुमानधारा मे उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, नवरात्रि पर भारतवर्ष से आ रहे श्रद्धालु

चित्रकूट। नवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ हनुमान धारा मंदिर में जुट रही है। यह मंदिर भगवान हनुमान जी के लिए समर्पित है और इसकी जलधारा को चमत्कारी माना जाता है, जो हनुमान जी की पूंछ पर गिरती है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यह पवित्र स्थल तब अस्तित्व में आया जब भगवान श्री हनुमान ने लंका को जलाने के बाद अपनी जलती हुई पूंछ को शांत करने के लिए यहां का रुख किया था। भगवान श्रीराम ने हनुमान जी की पीड़ा को कम करने के लिए अपने बाण से इस जलधारा का निर्माण किया। पहले इस मंदिर तक पहुंचना काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि श्रद्धालुओं को 618 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती थीं। लेकिन अब दामोदर रोपवे की मदद से यात्रा सरल हो गई है। श्रद्धालु अब मात्र पांच मिनट में पहाड़ की चोटी पर पहुंचकर भगवान हनुमान जी के दर्शन कर सकते हैं। यह 302 मीटर लंबा रोपवे हर घंटे 500 श्रद्धालुओं को ले जाने की क्षमता रखता है, जिससे श्रद्धालु चित्रकूट की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हुए मंदिर पहुंचते हैं। यह मंदिर मध्य प्रदेश के सतना जिले और उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले की सीमा पर स्थित है, जो न केवल धार्मिक महत्व रखता है बल्कि अद्भुत प्राकृतिक दृश्य भी प्रस्तुत करता है। हनुमान जी की बायीं भुजा पर लगातार गिरती जलधारा और उनकी मुस्कराती मूर्ति श्रद्धालुओं के मन में आस्था और शांति का संचार करती है। इस नवरात्रि, हनुमान धारा मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भक्ति का प्रतीक बना हुआ है, जहां श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए आ रहे हैं।

विशेष कन्या पूजन व प्रसाद ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन

चित्रकूट। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कन्या पूजन व उनके लिए प्रसाद ग्रहण का आयोजन जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की उपस्थिति में विकासखंड मानिकपुर की ग्राम पंचायत अगरहुडा में आयोजित किया गया।

जिलाधिकारी ने 51 कन्याओं का मंत्रोच्चारण के द्वारा कन्यापूजन के पश्चात उन्होंने उपहार भी वितरण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति फेज़-5.0 के अंतर्गत जनपद में विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसमें बालिकाओं, महिलाओं, छात्राओं की सुरक्षा एवं स्वावलंबन से संबंधित सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही। सभी लोग बच्चियों को स्कूल भेजें शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण संबंधी लाभ ले। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि हमें कु प्रथाओं को छोड़कर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करनी चाहिए आज महिलाएं आगे बढ़ कर आसमान छू रही है आप लोग भी पढ़ लिख करके आगे बढ़े। जिलाधिकारी ने नंदकिशोर, दिनेश का अन्नप्राशन एवं गौरा, सुलेखा की गोद भराई भी किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मानिकपुर पंकज वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, जिला प्रोवेशन अधिकारी पंकज मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीडी विश्वकर्मा, बाल विकास परियोजना अधिकारी महेंद्र सिंह, डीआरआई से राजेंद्र व बसंत, ग्राम प्रधान अगरहुड्डा प्रदीप सिंह उपस्थित रहे।

सचिव ने किया कमाल : जीवित व्यक्ति का जारी कर दिया मृत्यु प्रमाण पत्र

■ चित्रकूट

जीवित व्यक्ति को सचिव ने कूटरचित अभिलेख तैयार कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया। आहत ग्रामीण ने इसकी षिकायत उच्चाधिकारियो से करते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

उपजिलाधिकारी को लिखे पत्र मे विजय कुमार पुत्र स्व0 छोटा निवासी मकरी पहरा थाना पहाडी ने बताया कि उनकी मां चुनकी देवी को ग्राम सचिव रामभरोसा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया है जो कि 20 अगस्त 2013 को मृत्यु घोषित किया और 18 सितंबर 2019 को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया। मां की विधवा पेंषन बनी है बीपीएल राषन कार्ड भी बना है और उसके नाम जमीन भी है इस कारण कुछ लोगो द्वारा कूटरचित करने की योजना बनाये थे। हम दो भाई है जहां वह अपनी माता को लेकर बैंक गया तो पता चला कि चुनकी की मृत्यु हो चुकी है और सचिव ने मृत्यु प्रमाण पत्र फर्जी बनाकर बैंक मे लगा दिया है। उन्होने सचिव पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़े जा रहे बाल श्रमिक

बांदा। प्रदेश सरकार बाल श्रम सर्वेक्षण योजना के तहत प्रदेश में बाल श्रम समस्या का आंकलन कराने के लिए बाल श्रम सर्वेक्षण कराया जा रहा है। चिन्हांकित 09-14 आयु वर्ग के खतरनाक व्यवसायों, प्रक्रियाओं में चिन्हांकित बाल श्रमिकों के शैक्षिक पुनर्वासन के लिए राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना के अन्तर्गत प्रस्ताव तैयार करने के बाद भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त करने की योजना राज्य सेक्टर से स्वीकृत की गई हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस योजना के अन्तर्गत धनराशि पांच लाख का व्यय करते हुए खतरनाक व्यवसायों, फैक्टरियों में कार्य करने वाले बच्चों को चिन्हाकिंत करते हुये उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश सरकार बाल श्रमिक विद्या योजना के तहत ऐसे बाल श्रमिकों जिनके माता पिता की मृत्यु हो चुकी है, वह किसी गंभीर रोग से ग्रस्त होने के कारण कार्य करने की स्थिति में नहीं है। ऐसे कामकाजी बच्चों के लिए आर्थिक सहायता की धनराशि प्रत्येक माह रुपये एक हजार बालकों के लिए व रुपये 1200 बालिकाओं के लिए दे रही है। लाभार्थी कामकाजी बालक, बालिका व किशोर, किशोरी योजना के अन्तर्गत कक्षा-8, 9 और 10 तक शिक्षा प्राप्त करते है तो उन्हें कक्षा-8 उत्तीर्ण करने पर रुपये 6000 की अतिरिक्त धनराशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाती है। योजना के अन्तर्गत प्रति वर्ष 8-18 आयु वर्ग के 2000 कामकाजी बच्चों, किशोर-किशोरियों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस योजना के अन्तर्गत तीन करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसके सापेक्ष अब तक धनराशि रुपये 244.802 लाख व्यय किया गया है। नया सवेरा योजना के अन्तर्गत यूनीसेफ के सहयोग से प्रदेश के बाल श्रम से सर्वाधिक प्रभावित 20 जिलों के चिन्हित 1197 ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों को बाल श्रम मुक्त घोषित किया गया है। योजना में 20 जिलों के 1197 ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों में संचालित नया सवेरा योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 1197 ग्राम व वार्डों का सर्वेक्षण पूर्ण कराकर 6-14 आयु वर्ग के 41285 कामकाजी बच्चों को चिन्हित किया गया है, जिसके सापेक्ष 33405 बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ते हुये विद्यालय में प्रवेश दिला कर उन्हें पढ़ाई में नियमित किया गया।

नवरात्रि : विधि विधान के साथ भक्तों ने किया हवन

■ महोबा

शारदीय नवरात्रि का शुक्रवार को अंतिम दिन होने के कारण भक्तों ने मां दुर्गा की नौवीं शक्ति सिद्धिदात्री देवी की पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। मां सिद्धिदात्री सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली देवी हैं और भक्तों ने इसी विश्वास के साथ मां की पूजा पूरे विधि विधान के साथ करते हुए सभी मनोकामनाएं पूर्ण का आर्शीवाद मांगा। भक्तों ने बल यश और धन की प्राप्ति के लिए मां की आराधना करते हुए अपनी भक्ति पेश की।

पंडित दीपक व्यास बताते हैं कि धार्मिक ग्रंथों में माता के इस स्वरूप को सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाला माना गया है। प्राचीन शास्त्रों में अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, और वशित्व नामक आठ सिद्धियां बताई गई हैं। ये आठों सिद्धियां मां सिद्धिदात्री की पूजा और कृपा से प्राप्त की जा सकती हैं। बताया कि हनुमान चालीसा में भी इन्हीं आठ सिद्धियों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि 'अष्टसिद्धि नव निधि के दाता, अस वर दीन्ह जानकी माता'।

देवी पुराण के अनुसार, भगवान महादेव ने भी मां सिद्धिदात्री देवी की कठिन तपस्या कर इनसे ये आठों सिद्धियां प्राप्त की थी और इन्हीं देवी की कृपा से ही महादेव की आधी देह देवी की हो गई थी और वे अर्धनारीश्वर कहलाए थे।

बताया कि सिद्धि और मोक्ष देने वाली दुर्गा को सिद्धिदात्री कहा जाता है और सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप है। यह देवी भगवान विष्णु की प्रियतमा लक्ष्मी के समान कमल के आसन पर विराजमान है। वैसे इनका वाहन भी सिंह ही है।

माता के चार हाथ हैं और इनके दाहिनी ओर के नीचे वाले हाथ में चक्र है और ऊपर वाले हाथ में गदा है। बाईं ओर के नीचे वाले हाथ में कमल का फूल है और ऊपर वाले हाथ में शंख है। शुक्रवार को नवारात्र के अंतिम दिन भक्तों द्वारा सिद्धिदात्री देवी की पूजा अर्चना और आराधना की गई।

अधिशाषी अधिकारी ने कीरत सागर सरोवर का निरीक्षण कर लिया जायजा

विसर्जन स्थल पर साफ-सफाई व लाइट व्यवस्था के दिए निर्देश

■ महोबा

नवरात्र में कीरत सागर सरोवर में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए तैयारियां शुरु हो गई है। पालिका प्रशासन ने सफाई कर्मचारियों की टीम को लगाकर कीरत सागर तट पर साफ सफाई कराई वहीं दुर्गा प्रतिमाओं को गहराई तक ले जाने के लिए नावों का भी इंतजाम किया गया। सरोवर में किसी भी तरह की घटना न घट सके इस गरज से कीरत सागर तट पर पुलिस कर्मचारियों को भी तैनात किया गया है साथ ही गोताखोरों की भी अधिशाषी अधिकारी अवधेश कुमार ने कीरत सागर सरोवर का निरीक्षण कर जायजा लिया।

मूर्ति विसर्जन स्थल कीतर सागर में पहुंचे नगर पालिका ईओ सरोवर के चारो तरफ भ्रमण कर सफाई व्यवस्था देखी साथ ही सरोवर तट पर मशीन द्वारा समतलीकरण का कार्य कराया गया। प्रभारी सफाई निरीक्षक को निर्देश दिए कि घाटो के अलावा क्षेत्र की समूचित सफाई व्यवस्था कराई जाए साथ ही विसर्जन स्थल और दुर्गा पंडालो के आसपास सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए जिससे भक्तों को किसी भी तरह की विसर्जन दौरान असुविधा का सामना न करना पड़े।

अधिशासी अधिकारी ने विसर्जन के दिन पेयजल व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए। नाव और नाविकों की व्यवस्था कराई जा रही है। मूर्ति विसर्जन स्थल के समीप बैरिकेडिंग किए जाने के निर्देश दिए गए जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न घट सके। विसर्जन स्थल पर कई सफाई कर्मचारियों की टीमे लगाकर सरोवर को तट का समतलीकरण कर साफ सफाई की गई। निरीक्षण दौरान अधिशासी अधिकारी के साथ प्रभारी लेखाकार अरुण शुक्ला, प्रभारी सफाई निरीक्षक रामसेवक और भूपेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

डीएम और एसपी नें पैदल गश्त कर जनमानस को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

महोबा। नवरात्रि, दशहरा पर्व सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी मृदुल चौधरी, पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शहर कोतवाली क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त दौरान मंदिरों, दुर्गा पंडाल, रामलीला मंचन स्थल, रावण दहन आदि का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए गए साथ ही कीरत सागर तालाब पहुचकर विसर्जन के लिए घाट का भौतिक निरीक्षण किया गया। जिला प्रशासन त्योहारों में सुरक्षा को लेकर काफी गम्भीर है और नवरात्रि दशहरा पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारी प्रतिदिन स्थलीय निरीक्षण कर जायजा ले रहे हैं। त्योहारों के मद्देनजर डीएम एसपी के साथ पुलिस व प्रशासनिक अमला पैदल गश्त करता नजर आया।

रामलीला में हुआ लंका दहन का मंचन

■ महोबा

नवरात्र पर शहर के पुराने रामलीला मैदान में रामलीला कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है, जिसमें गुरुवार की रात लंका दहन का सफल मंचन किया गया। रामलीला की शुरुआत रामलीला समिति के लोगों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा की आरती और भगवान श्रीराम लक्ष्मण और माता सीता के चित्र पर पुष्प अर्पित और पूजा अर्चना के साथ की गई। रामलीला देखने के लिए भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने रावण लंका दहन का मंचन देखा। रावण जब हनुमान जी की पूंछ में आग लगा देते हैं तो हनुमान जी रावण की सोने की लंका को जलाकर उसका अहंकार तोड़ देते हैं। यह दृश्य देखकर मौजूद लोग हनुमान जी व जय श्री राम के जयकारे लगाते हैं।

रामलीला कलाकारों ने रामायण का मंचन करते हुए अभियन किया कि जब सेना समुंद्र के किनारे पहुंच जाती है तो प्रभु श्री राम हनुमान जी को रावण को अंतिम चेतावनी व सीता जी का हाल जानने के लिए भेजते हैं, जब हनुमान जी समुंद्र के ऊपर से जा रहे होते हैं तो आगे बढ़ने पर सुरसा हनुमानजी का रास्ता रोक लेती है।

अनुनय विनय के बाद भी बात न बनने पर सुरसा के मुख का फैलाव 32 योजन होते ही हनुमान जी सूक्ष्म रूप धर प्रवेश कर, बाहर आ जाते हैं। सुरसा उनकी बुद्धि की प्रशंसा करने के साथ ही रामकाज पूर्ण करने का आशीर्वाद देती है। मच्छर रूप धारण कर लंका में प्रवेश करते ही सुरक्षा में तैनात लंकिनी उनका रास्ता रोकती है। रामलीला का यह मंचन देख उपस्थित लोगों द्वारा लगाए गए हनुमान जी की जय जय श्रीराम के उद्घोष से रामलीला पंडाल गूंजने लगता है। रामलीला कलाकरों का अभियन देख लोगों ने तालियां बजाकर किया उत्साहवर्द्धन किया।

ब्रीफ न्यूज

बलूचिस्तान के कोयला खदान पर हुए सशस्त्र हमले में 20 लोगों की मौत

बलूचिस्तान, । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक छोटी निजी कोयला खदान पर हथियारबंद लोगों द्वारा किए गए हमले में कम से कम 20 खनिकों की मौत हो गई जबकि अन्य सात घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय पुलिस ने दी। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, डुकी स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) हुमायूं खान ने कहा कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने आज तड़के डुकी इलाके में जुनैद कोयला कंपनी की खदानों पर भारी हथियारों से हमला किया। उन्होंने खदानों पर रॉकेट और ग्रेनेड भी दागे। डुकी जिला अस्पताल के एक डॉक्टर जौहर खान शादीजई ने कहा कि हमें जिला अस्पताल में अब तक 20 शव और छह घायल मिले हैं।

हिमाचल में लगे भूकंप के तेज झटके, लोगों में फैली दहशत

शिमला, । उत्तर भारत के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में हाल ही में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप का केंद्र कुल्लू जिले में था, जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। इस क्षेत्र में भूकंप के कारण लोग भयभीत हो गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र : भूकंप का केंद्र कुल्लू के पास स्थित बंजर शहर था, जो भूकंप के केंद्र से लगभग 36 किलोमीटर (23 मील) दक्षिण-पश्चिम में है। इस छोटे से शहर की जनसंख्या लगभग 1,400 है, और वहां के निवासियों ने भूकंप के हल्के झटके महसूस किए। हालांकि, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और अन्य प्रमुख शहरों में भूकंप का असर कम महसूस हुआ।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहली बार विमान उतरा, सेना के सी-295 की सफल लैंडिंग

नवी मुंबई, । इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारतीय वायु सेना के विमान सी-295 ने सफल लैंडिंग की। यह रनवे टेस्टिंग ट्रॉयल था। विमान में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे भी बैठे नजर आए। एयरपोर्ट ऑपरेटर के अनुसार, भारतीय वायुसेना का ट्रांसपोर्ट कैरियर सी-295 दोपहर 12.14 बजे एयरपोर्ट के साउथ रनवे 26 पर उतरा। विमान को वाटर कैनन सलामी भी दी गई। इस एयरपोर्ट का निर्माण अडाणी ग्रुप ने किया है। मार्च 2025 तक एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हो जाएगा। एयरपोर्ट की कैपेसिटी 10-11 करोड़ पैसेंजर्स की है।

सौर तूफान का पृथ्वी पर आगमन

लॉस एंजेल्स, (आरएनएन)। अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन ने कहा कि एक शक्तिशाली सौर तूफ़ान पृथ्वी पर आया है और यह तूफान हेलेन और मिल्टन के लिए चल रहे पुनर्प्राप्ति प्रयासों को प्रभावित कर सकता है। एनओएए के स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर (एसडब्ल्यूपीसी) के अनुसार, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) मंगलवार शाम को सूर्य से निकला और पूर्वी समय के अनुसार गुरुवार सुबह 11:15 बजे पृथ्वी पर पहुंचा। तूफान जी-4 (गंभीर) स्तर तक पहुंच गया है और जी-4 या अधिक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच गुरुवार और शुक्रवार तक प्रभावी रहेगी।

पति-पत्नी सेक्स की डिमांड एक दूसरे से नहीं तो किससे करेंगे, इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यौन सुख को पति-पत्नी के बीच जारी झगड़े की वजह बताते हुए केस खारिज कर दिया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने एक महिला की तरफ से पति के खिलाफ दर्ज केस की सुनवाई कर रहा था, जिसमें याचिकाकर्ता ने यातना, दहेज और अप्राकृतिक संबंध बनाने के आरोप लगाए थे। दोनों की शादी साल 2015 में हुई थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने केस खारिज करते हुए कहा कि पीड़ित के बयान और एफआईआर की बारीकी से जांच से पता चलता है कि यदि कोई यातना या हमला किया गया है, तो वह दहेज की किसी मांग के लिए नहीं, बल्कि आवेदक क्रमांक 1 की सेक्स की इच्छाओं को ऑपोजिट पार्टी क्रमांक 3 की तरफ से इनकार किए जाने पर किया गया।

हमेशा के लिए ख़ामोश हुई मशहूर शहनाई वादक सूरजमणी की शहनाई

मंडी, । हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के निवासी मशहूर शहनाई वादक सूरजमणी का बीमारी के चलते निधन हो गया। वह 63 वर्ष की थीं। उन्होंने गुरुवार देर रात करीब 2:20 बजे बिलासपुर एम्स में अंतिम सांस ली। यहां से उनके पार्थिव शरीर को पैतृक गांव ले जाया गया। जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे हैं। सूरजमणी को हिमाचल प्रदेश का 'बिस्मिल्लाह खान' भी कहा जाता था।परिजनों ने बताया कि उनके पेनक्रियाज में दिक्कत थी और कुछ दिन पहले जब वह मंडी बस स्टैंड पर थे तो उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें मंडी के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस बीच उनके दूसरे अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया था। इस दौरान यहां से गुरुवार को उन्हें रेफर किया गया। जिसके बाद उन्होंने गुरुवार रात करीब दो बजे अंतिम सांस ली। सूरजमणी मंडी के चच्योट गांव के रहने वाले थे। वह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी छाप छोड़ चुके हैं।

आसियान सम्मेलन में पीएम मोदी का संदेश, कूटनीति को देनी होगी प्राथमिकता

यह युद्ध का समय नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं, शांति हेतु संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना प्रभावित देशों को जरूरी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लाओस में 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्षों का जिक्र किया और कहा कि इसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, हर कोई चाहता है कि यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता बहाल हो। मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकल सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना जरूरी है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देनी होगी। विश्वबंधु का दायित्व निभाते हुए भारत इस दिशा में हरसंभव योगदान देता रहेगा। शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, हम म्यांमार की स्थिति पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम 5 सूत्री सहमति का भी समर्थन करते हैं। साथ ही, हमारा मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और लोकतंत्र की बहाली के लिए भी उचित कदम उठाए जाने चाहिए। हमारा मानना है कि इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए, अलग-थलग नहीं किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के रूप में भारत अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा।

तूफान यागी से प्रभावित लोगों के प्रति गहरी संवेदना: 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी में यागी तूफान से मची तबाही का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैं टाइफून यागी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस कठिन समय में हमने ऑपरेशन सद्भाव के माध्यम से मानवीय सहायता प्रदान की है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मेलन के दौरान न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री शिनावात्रा से की मुलाकात

शिनावात्रा को थाई पीएम का पदभार संभालने पर बधाई दी।

वियेनतिएन, । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के इतर शनिवार को यहां थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटारन शिनावात्रा से मुलाकात की। यह दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच पहली बैठक थी। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने शिनावात्रा को थाई प्रधानमंत्री को पदभार संभालने पर बधाई दी। इस पर शिनावात्रा प्रधानमंत्री मोदी को उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग बनाने के तरीकों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इस संदर्भ में उन्होंने बिम्सटेक के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। थाईलैंड के साथ भारत के संबंध भारत की'एक्ट ईस्ट'नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो इस वर्ष एक दशक पूरा कर रहा है। थाईलैंड हिन्द-प्रशांत के बारे में भारत के विज़न का एक प्रमुख घटक भी है।

पीएम मोदी ने दे दी चीन को वॉर्निंग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व के विभिन्न भागों में जारी संघर्षों का सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव 'ग्लोबल साउथ' के देशों पर पड़ने का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति एवं स्थिरता की बहाली का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चीन को चेतावनी देते हुए कहा, दक्षिण चीन सागर में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हित में है। मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत संचालित की जानी चाहिए। नौवहन और वायु क्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए। और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर कोई अंकुश नहीं लगना चाहिए।

जल्द पूरा होगा भारत में स्वदेशीकरण का एक बड़ा सपना

फिर से फाइटर जेट का इंजन बनाएगा भारत,1989 में मिली थी असफलता

तीन प्रमुख कंपनियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए भारत के साथ साझेदारी करने की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली, । फाइटर जेट का इंजन बनाना बहुत मुश्किल काम है। इसके लिए मैकेनिकल, मेटलर्जिकल, और इलेक्ट्रिकल जैसी इंजीनियरिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता की जरूरत होती है। भारत ने साल 1989 में कावेरी नाम का जेट इंजन विकसित करने की कोशिश की थी, लेकिन वह सफल नहीं रहा। 1990 के दशक में जब भारत आर्थिक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रहा था, परमाणु परीक्षण कर रहा था और वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा था, उसी समय देश के रक्षा प्रतिष्ठान ने एक स्वदेशी सैन्य जेट इंजन बनाने की दिशा में काम करना शुरू किया। इस इंजन का नाम 'कावेरी' रखा गया, जो दक्षिण भारत की एक प्रसिद्ध नदी के नाम पर आधारित है।

भारत का सपना- पूर्ण स्वदेशीकरण: भारत में स्वदेशीकरण एक बड़ा सपना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और पूर्ववर्ती सरकारें इस सिद्धांत का पालन करती रही हैं कि देश में ही अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया जाए। सैन्य जेट इंजन बनाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह एक बेहद जटिल प्रक्रिया है जिसे बनाने के लिए दशकों के अनुभव की आवश्यकता होती है।

दुनिया में सिर्फ पांच देश ही ऐसे हैं जो इस प्रकार के एडवांस इंजन बनाने की क्षमता रखते हैं। ये देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन हैं। यानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वीटो पावर रखने वाले स्थायी सदस्य ही अभी जेट इंजन बना पाते हैं। हाल ही में चीन ने भी इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए एक स्वदेशी इंजन के साथ लड़ाकू विमान का परीक्षण किया है, लेकिन अब तक वह रूस के उपकरणों पर निर्भर रहा है।

एलीट क्लब में शामिल होने की कोशिश: रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने भी इस एलीट क्लब में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन वर्षों की रिसर्च और टेस्टिंग के बावजूद, कावेरी इंजन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। यह इंजन तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के लिए पर्याप्त थ्रस्ट देने में विफल रहा। अब भारत की योजना इस इंजन का इस्तेमाल भविष्य के मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) में करने की है। हालांकि, भारत का स्वदेशी सैन्य जेट इंजन बनाने का मिशन खत्म नहीं हुआ है। कावेरी इंजन से प्राप्त अनुभव और गलतियों से सीखे गए सबक अब नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। भारत अब एक विश्वस्तरीय 'मेड इन इंडिया' जेट इंजन बनाने की दिशा में अग्रसर है, जिसमें एक पश्चिमी साझेदार की तकनीकी मदद से यह काम पूरा किया जाएगा।

इन तीन कंपनियों में मची है होड़: रिपोर्ट के मुताबिक, तीन प्रमुख कंपनियां इस महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट के लिए भारत के साथ साझेदारी करने की दौड़ में शामिल हैं।

अंतरिक्ष में नए कारनामे की तैयारी

नई दिल्ली, (आरएनएन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने अंतरिक्ष आधारित सर्विलांस मिशन के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी है। इसका मकसद सिविलियन और मिलिट्री एप्लिकेशन्स के लिए बेहतर भूमि व समुद्री डोमेन तैयार करना है। यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय की ओर से हैंडल किया जाएगा, जहां रक्षा मंत्रालय में एकीकृत मुख्यालय के तहत डिफेंस स्पेस एजेंसी भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार फिलहाल इस मंजूरी पर चुप है। हालांकि, माना जा रहा है कि प्रस्ताव में निगरानी के लिए लो अर्थ ऑर्बिट और भूस्थैतिक कक्षा में 52 उपग्रहों का प्रक्षेपण शामिल है।

हैदराबाद के दुर्गा पंडाल में तोड़फोड़

पुलिस बोली- आरोपियों ने दान पेटी हटाई, जिससे प्रतिमा खंडित हुई

हैदराबाद, । हैदराबाद के नामपल्ली में कुछ लोगों ने दुर्गा पूजा पंडाल में तोड़फोड़ की। आरोपियों ने दुर्गा देवी का हाथ भी तोड़ दिया। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह लगी, जब आयोजक पूजा करने पहुंचे।

आयोजकों ने बताया कि गुरुवार रात डांडिया कार्यक्रम होने तक पुलिस वहां मौजूद थी। घटना कितने बजे की है, अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आ सकी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि अज्ञात व्यक्तियों ने हुंडी (दान पेटी) को एक तरफ रख दिया, जिससे देवी दुर्गा की मूर्ति का हाथ गिर गया। देवी शरण नवरात्रि समारोह के हिस्से के रूप में एग्जीबिशन सोसाइटी के रहवासी और कर्मचारी हर साल देवी की मूर्ति बनाते हैं।

पहले बिजली काटी, फिर सीसीटीवी तोड़े: पुलिस और आयोजकों ने बताया कि आरोपियों ने पंडाल में घुसने से पहले वहां की बिजली काट दी। इसके बाद उन्होंने वहां लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। इससे घटना के समय का कोई भी फुटेज अभी सामने नहीं आ सका है। आरोपियों ने बैरिकेडिंग हटाई और पूजा का सामान फेंक दिया।

2 साल पहले खैरताबाद में 2 महिलाओं ने तोड़ी थी देवी प्रतिमा: हैदराबाद के खैरताबाद में भी 2 साल पहले मां दुर्गा की प्रतिमा को तोड़ने का मामला सामने आया था। तब बुर्का पहनकर दो महिलाएं पंडाल में घुसीं और तोड़फोड़ शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने पंडाल में आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने दोनों महिलाओं को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। महिलाओं ने विरोध करने वालों पर भी हमला किया था।

इजराइल का लेबनान में यूएन पोस्ट पर हमला, दो कर्मी घायल

बेरूत, । भारत ने लेबनान और इजराइल के बीच जारी जंग में ह पीसकीपर्स की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि हम ब्लू लाइन (लेबनान-इजराइल सीमा) को लेकर चिंतित हैं। हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। ब्लू लाइन पर तैनात यूएन पीसकीपर्स में भारत के भी 600 सैनिक शामिल हैं। बयान में यूएन के परिसर की अखंडता का सम्मान करन के लिए कहा गया है।

इजराइल ने गुरुवार को दक्षिणी लेबनान में यूएन की एक इमारत पर अटैक किया था। इस हमले में यूएन पीसकीपिंग फोर्स (यूएनआइ एफआईएल) के 2 सदस्य घायल हो गए थे। ये दोनों इंडोनेशिया के नागरिक हैं। 1978 से लेबनान में तैनात यूएनआई एफआईएल के सदस्य यहां खतरों की निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाने का काम करते हैं। इसके अलावा इजराइल ने गुरुवार को लेबनान की राजधानी बेरूत में एक इमारत पर हवाई हमले किए।

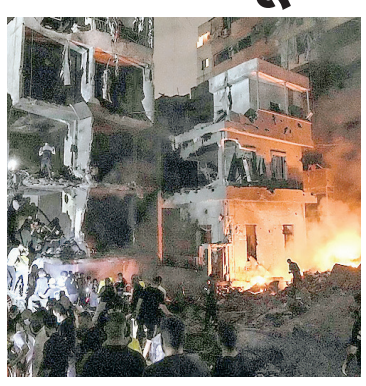

यूएन पीस कीपर्स में भारत के भी 600 सैनिक शामिल

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 177 लोग घायल हुए हैं। इजराइल ने हमले पर फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हमले में हिजबुल्लाह के सीनियर सदस्य और कोऑर्डिनेशन यूनिट के चीफ वाफीक साफा को टारगेट किया गया था। हालांकि, हमलों के बीच वह भागने में कामयाब रहा। यह सेंट्रल बेरूत में इजराइल की अब तक की सबसे बड़ी एयरस्ट्राइक रही है।

सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई खाड़ी देश ईरान के तेल भंडारों पर इजराइली हमला रोकने के लिए अमेरिका पर दबाव बना रहे हैं। इन देशों ने कहा है कि वे ईरान पर हमले के लिए इजराइल को अपना एयरस्पेस इस्तेमाल नहीं करने देंगे। दरअसल, इजराइली पीएम नेतन्याहू ने गुरुवार को देश की सिक्योरिटी कैबिनेट के साथ एक मीटिंग की थी।

संयुक्त राष्ट्र बोला- 24 घंटे में हमारे कई बेस पर हमले हुए

यूएन ने कहा है कि इजराइल ने पिछले 24 घंटों में लगातार उनके बेस को निशाना बनाया गया है। इजराइली सैनिकों ने जानबूझकर यूएनआईएफआईएल के 2 और बेस पर कैमरा और लाइट्स पर गोलियां चलाईं। वहीं इजराइली सेना ने कहा है कि टैंक से हमला करने से पहले उन्होंने यूएन पीसकीपिंग सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर जाने की वॉर्निंग दी थी। यूएन पीस मिशन की टीम पर हमले के बाद इटली, फ्रांस और इंडोनेशिया जैसे कई देशों ने इजराइल से जवाब मांगा है। इससे पहले सितंबर में भी इजराइल ने यूएन पीसकीपर्स को दक्षिणी लेबनान से हटने को कहा था। हालांकि, उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया था।

जन्म के आधार पर तय होती हैं जातियां लोग खत्म करें अहंकार: सुरेश भैयाजी

जयपुर, । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के द्वारा विजयादशमी के मौके पर पथ संचालन का कार्यक्रम किया जाता है। इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। त्रिवेणी नगर स्थित सामुदायिक केंद्र में स्वयंसेवक इकट्ठा हुए और इसका अभ्यास किया। इस दौरान आरएसएस नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जाति व्यवस्था को लेकर बड़ी बात कही है। सुरेश भैयाजी ने कहा, जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर होता है। क्या कोई बता सकता है कि हरिद्वार किस जाति का है? क्या 12 ज्योतिर्लिंग किसी जाति के हैं? क्या देश के अलग-अलग हिस्सों में 51 शक्तिपीठ किसी जाति के हैं? जो लोग खुद को हिंदू मानते हैं और देश के सभी हिस्सों में रहते हैं। वे इन सभी को अपना मानते हैं। फिर विभाजन कहां है? उन्होंने आगे कहा कि राज्यों की सीमाएं हमारे बीच कोई विभाजन पैदा नहीं कर सकती हैं।

उप्र सरकार ने अखिलेश को जेपी सेंटर जाने से रोका

लखनऊ, । उप्र सरकार ने शुक्रवार को अखिलेश यादव को जेपी कन्वेशन सेंटर जाने से रोका तो सपा प्रमुख ने घर में लगी लोकनायक जय प्रकाश नारायण की मूर्ति पर माला चढ़ा दी। अखिलेश यादव ने कहा था कि वे जय प्रकाश नारायण नेशनल कन्वेशन सेंटर में माल्यार्पण करेंगे। अखिलेश को रोकने के पीछे यूपी सरकार का तर्क था- बारिश के चलत जेपीएनआईसी में जीव-जंतु हो सकते हैं, इसलिए माल्यार्पण करना सुरक्षित नहीं है।

अखिलेश ने घर में लगी जेपी की मूर्ति पर माला चढ़ाई, कहा- नीतीश भाजपा से समर्थन वापस लें

सरकार ने शुक्रवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव के घर के बाहर बैरिकेडिंग की, तार बिछाए और फोर्स तैनात कर दी। जेपीएनआईसी के बाहर भी टीन की दीवार खड़ी कर दी गई। इसके बाद सपा कार्यकर्ता अखिलेश के घर में लगी मूर्ति सड़क पर ले आए।

सपा प्रमुख घर से बाहर निकले और मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने जदयू चीफ नीतीश कुमार से अपील की कि वे केंद्र की भाजपा सरकार से अपना समर्थन वापस ले लें।

माल्यार्पण के बाद अखिलेश बोले- यूपी की भाजपा सरकार विनाशकारी: अखिलेश ने कहा- यूपी सरकार जेपीएनआईसी को बेचना चाहती है। पहले भी हमें माल्यार्पण से रोका गया। योगी लोकनायक का इतिहास नहीं जानते। हमें श्रद्धांजलि देने से रोका। यूपी सरकार हर अच्छे काम को रोकती है। ये गूंगी और बहरी सरकार है। ये विकास नहीं विनाश करने में माहिर है।

जम्मू-कश्मीर के विधायकों की संपत्ति में रिकॉर्डतोड़ बढ़ोतरी, 76 विधायक बने करोड़पति

विधानसभा चुनाव में करोड़पति नेताओं की बढ़ती फौज, एडीआर की रिपोर्ट से हुआ बड़ा खुलासा

राजनीति में दौलत का खेल

2014 के मुकाबले करोड़पति विधायकों की संख्या में 9 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली, । जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने विधायकों की संपत्ति पर एक रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव में जीतने वाले 90 विधायकों में से 84 प्रतिशत यानी 76 विधायकों ने अपनी संपत्ति 1 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा घोषित की है। 2014 की पिछली विधानसभा में 75 प्रतिशत यानी 65 विधायकों ने 1 करोड़ से अधिक की संपत्ति घोषित की थी। इस बार करोड़पति विधायकों की संख्या पिछले चुनाव के मुकाबले 9 प्रतिशत बढ़ी है। कांग्रेस अध्यक्ष और सेंट्रल शालतेंग सीट से चुनाव जीतने वाले तारिक हमीद कर्रा सबसे अमीर विधायक हैं, जिन्होंने अपनी संपत्ति 148 करोड़ रुपए घोषित की है। वहीं, डोडा से चुनाव जीतने वाले आप विधायक मेहराज मलिक की संपत्ति सबसे कम, केवल 20 हजार रुपए है।

21 विधायकों की नेटवर्थ 10 से 100 करोड़

90 में से 14 विधायकों की संपत्ति 1 करोड़ रुपए से कम है। 27 विधायकों की संपत्ति 1 से 5 करोड़ रुपए के बीच है, जबकि 26 विधायक 5-10 करोड़ के बीच हैं। 21 विधायकों की नेटवर्थ 10 से 100 करोड़ रुपए के बीच है। जम्मू-कश्मीर के 90 में से केवल 2 विधायकों की संपत्ति 100 करोड़ से अधिक है। कांग्रेस अध्यक्ष कर्रा के अलावा भाजपा विधायक देवेंद्र राणा के पास 126 करोड़ की संपत्ति है, जिससे वे दूसरे सबसे अमीर विधायक हैं।

विधायकों की औसत संपत्ति 11.6 करोड़

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जम्मू-कश्मीर के विधायकों की औसत संपत्ति 11.6 करोड़ है, जबकि 2014 में चुनाव जीतने वाले विधायकों की औसत संपत्ति 4.5 करोड़ थी। इसका मतलब है कि इस बार के विधायकों की औसत संपत्ति पिछली बार से दोगुनी से अधिक है।

इस रिपोर्ट के सबसे खास पाइंट

- नेशनल कॉन्फ्रेंस के 42 में से 37 विधायक (88 प्रतिशत) करोड़पति हैं। पार्टी के विधायकों की औसत नेटवर्थ 8.47 करोड़ रुपए है।
- भाजपा के 29 में से 25 विधायक (86 प्रतिशत) करोड़पति हैं। भाजपा के विधायकों की औसत संपत्ति 14.55 करोड़ है।
- कांग्रेस के सभी 6 विधायक करोड़पति हैं, जिनकी औसत संपत्ति लगभग 30 करोड़ है।
- आप के 3 विधायकों की औसत संपत्ति 4.25 करोड़ है।
- सीपीआई (एम) और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस से जीते विधायक भी करोड़पति हैं। 7 निर्दलीय विधायकों की औसत संपत्ति 5 करोड़ है।

संपादकीय

कश्मीर और धारा 370

हरियाणा चुनाव नतीजों की बहुत चर्चा हो रही है, लेकिन जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों पर कोई बात नहीं कर रहा है। जम्मू कश्मीर के चुनाव इस मायने में खास थे कि ये चुनाव धारा 370 के खात्मे के पांच साल बाद हुए हैं। 90 सीटों वाली विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 42 तो कांग्रेस ने छह सीटें जीती हैं। जैसा बहुमत भाजपा को हरियाणा में मिला है, उससे कहीं अधिक सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को मिली हैं। जम्मू कश्मीर के नतीजे एक तरह से धारा 370 हटाने के खिलाफ आए हैं। बनने वाली नई सरकार भी जानती है कि धारा 370 वापस लाना अब नामुमकिन है। शायद यही वजह है कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्लाह ने कहा है, हम जानते हैं कि केंद्र सरकार से अनुच्छेद 370 वापस नहीं मिलने वाला है, जिसने हमसे ये वापस ले लिया था। आने वाली सरकार से मेरी सलाह ये होगी कि वो केंद्र और एलजी से अच्छे कामकाजी रिश्ते रखने की कोशिश करे। नेशनल कॉन्फ्रेंस की सहयोगी कांग्रेस पार्टी चुनाव प्रचार के दौरान अनुच्छेद 370 पर टिप्पणी करने से बचती रही, लेकिन पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने पर जरूर जोर दिया। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर को पहले ही केंद्र शासित राज्य बनाकर उसकी शक्तियां उपराज्यपाल को दे दी हैं। जम्मू कश्मीर अब दिल्ली राज्य सरीखा बन गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस का ज्यादा जोर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने पर होगा। जम्मू कश्मीर से अब धारा 370 की हमेशा के लिए विदाई हो चुकी है। इसे हटाना भाजपा का शुरू से ही एजेंडा रहा है। इस पर राजनीति करके वह शेष भारत की राजनीति को प्रभावित करती रही है। इसमें वह कामयाब भी रही है। हालांकि वह भी जानती है कि धारा 370 बस नाममात्र की ही रह गई थी। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की विधानसभा जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन एक्ट 2019, अनुच्छेद 370 और 35 ए को खत्म करने के कानूनी मामलों में बदलाव जैसे मामलों में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। ये वो विषय हैं, जिन पर केवल संसद ही कानून बना सकती है। अब देखना यह होगा कि उपराज्यपाल जम्मू कश्मीर सरकार को कितनी आजादी देते हैं, कितना केंद्र सरकार के इशारे पर उसे परेशान करते हैं? फिलहाल उम्मीद यही है कि जम्मू कश्मीर की सरकार केंद्र सरकार से सहयोग करके चलेगी। इसके अलावा उसके पास कोई चारा भी नहीं है।

अब देखना यह होगा कि उपराज्यपाल जम्मू कश्मीर की नई सरकार को कितनी आजादी देते हैं, कितना केंद्र सरकार के इशारे पर उसे परेशान करते हैं?

पाठकवाणी

लकीर पिटती कांग्रेस

हरियाणा में अपनी हार पर कांग्रेस का चुनाव आयोग के सामने अकारण रुदन पार्टी की मानसिकता समझने के लिए काफी है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की माली हालत में सुधार क्या हुआ पार्टी के नेता आत्मविश्वास के अतिरेक में बहते चले गए।राहुल गांधी से लेकर जय राम रमेश और हुड्डा जैसे नेता न केवल बेलगाम बल्कि हास्यास्पद भी हुए। राहुल का जलेबी उद्योग महज मजाक का पात्र बना और लोगों ने विपक्ष के नेता के ज्ञान को लेकर भी खूब चटकारे लिए। लोकतांत्रिक पर्व पर कांग्रेस नेताओं की जुबानी जंग लोगों में उसकी रीती-नीतियों के प्रति मानस तैयार करने के बजाय उससे छिटकने का माध्यम बनी। कार्यवाहक मुख्यमंत्री सैनी मतदाताओं को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि डबल इंजन की सरकार से ही राज्य के विकास को गति मिलना संभव है। चुनाव में शर्मनाक हार के बाद भी कांग्रेस नेताओं के अनर्गल प्रलाप जारी हैं। वैसे हार के बाद ईवीएम में गड़बड़ी, परिणाम देरी से जारी करने जैसी लकीर पीटना कांग्रेस की आदतों में शुमार रही है जो उसकी खीझ समझने के लिए काफी है। गठबंधन में भी किरकिरी की शिकार हुई कांग्रेस के लिए अब दिल्ली, महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में पार्टी को अस्तित्व बचाने की चुनौती होगी जो राजनीति में उसका राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर तय करेगी।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर मप्र

कुछ खास

भाजपा ने बड़ी चालाकी से चुनाव को जाट बनाम नॉन जाट कर दिया। अगर गठबंधन हो जाता तो केजरीवाल और अखिलेश यादव भी मिलकर प्रचार करते और भाजपा का ये मुद्दा फेल हो जाता। कांग्रेस के 17 बागियों ने भी कांग्रेस को हराने का काम किया।

-संजय सिंह, आप सांसद

आज का ट्वीट

''राहुल गांधी जी ने सही कहा है, हरियाणा में जो बीजेपी ने खेल खेला है, इसके खिलाफ पूरे देश के लोगों में आक्रोश है। ईवीएम के खिलाफ भी एक लड़ाई लड़नी है।''

-विनेश फोगाट

साइबरवर्ल्ड

लगातार बढ़ा कांग्रेस का वोट शेयर

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली अप्रत्याशित हार के कई तरह से विश्लेषण किए जा रहे हैं। कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी, आलाकमान के निर्देशों की परवाह न करके क्षत्रपों का मनमाना रवैया, भाजपा की रणनीति को समझने में चूक, दलित और जाट वोट बैंक का साथ न मिलना और इन सबके साथ एक अहम कारण इंडिया गठबंधन के दलों को साथ न लेकर चलने को भी कांग्रेस की हार का कारण बताया जा रहा है। कांग्रेस पर अहंकारी होने के आरोप भी कई विश्लेषक लगा रहे हैं। वैसे अगर परिणाम एग्जिट पोल के मुताबिक ही आते तो शायद इस तरह विश्लेषण में पलटी मारने की कला नहीं देखी जाती। क्योंकि स्वतंत्र पत्रकारिता करने वाले यू ट्यूब चैनलों के पत्रकार ही नहीं, सरकार समर्थक माने जाने वाले न्यूज चैनलों के एग्जिट पोल में भी कांग्रेस की जीत के अनुमान लग रहे थे। कांग्रेस तो अब भी यही मानती है कि ईवीएम में कोई गड़बड़ी की गई है, इसलिए उसे कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। इस बात की शिकायत निर्वाचन आयोग से भी कांग्रेस ने की है और नतीजों को अस्वीकार्य करार दिया है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया है और गड़बड़ी की बात नहीं मानी है, लेकिन फिर भी शिकायत दर्ज हुई है, तो उस पर क्या कार्रवाई आयोग करता है, यह देखना होगा। हालांकि कांग्रेस के प्रदर्शन का विश्लेषण किया जाए तो आंकड़े दर्शाते हैं कि पार्टी की स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार ही हुआ है। 2014 में कांग्रेस को केवल 15 सीटें मिली थीं और वोट शेयर 20.58 प्रतिशत था, वहीं 2019 में 16 सीटें बढ़ीं और कांग्रेस 31 के आंकड़े पर पहुंची, तब वोट शेयर 28.08 प्रतिशत रहा और इस बार के चुनाव में कांग्रेस की छह सीटें बढ़ीं तो उसे 37 सीटों पर जीत मिली और इस बार वोट शेयर 39.09 रहा। अर्थात कांग्रेस के वोट शेयर में 11.01 प्रतिशत का उछाल आया। इन आंकड़ों को देखकर कहा जा सकता है कि कांग्रेस की रणनीति तो शायद सही रही लेकिन उसे जमीन पर उतारने का जो काम स्थानीय कांग्रेस नेताओं को करना चाहिए था, उसमें वो नाकाम रहे।

-सुरजन पलाश की फेसबुक वॉल से

नागरिक समाज भी करे समीक्षा

सामयिक

शाहीन सबा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राजनीतिक विशेषज्ञ और विश्लेषक के साथ साधारण लोगों को भी भरपूर चौंकाया है। राजनीतिक दलों के लिए तो इन नतीजों में राजनीतिक संदेश है ही, समतामूलक समाज व्यवस्था के आग्रही नागरिक समाज के लिए भी इस में कुछ गंभीर संदेश है। क्या हैं वे संदेश? संदेश और संकेत पढ़ने-समझने के लिए राजनीतिक पृष्ठ-भूमि को याद किया जाना जरूरी है। लोकसभा 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 240 पर सिमट गई थी। 543 के सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। यह ठीक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी बहुमत का आंकड़ा नहीं हासिल कर पाई, लेकिन यह कोई बहुत ही छोटी संख्या भी नहीं है। बहुमत भले न मिली हो, लेकिन संसद में सब से बड़ा दल तो वह अब भी बनी ही हुई है।

भारतीय जनता पार्टी कोई सामान्य पार्टी नहीं है। यह राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ की गढ़ी राजनीतिक पार्टी है। महात्मा गांधी जैसे नेता की हत्या की आरोपी रह चुकी है। यह आरोप निराधार नहीं था। राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ की विचारधारा भारत का आजादी के आंदोलन के विचारधारात्मक मूल्यों से न केवल भिन्न, बल्कि बिल्कुल विपरीत रही है। भारत के संविधान में मुख्य रूप से आजादी के आंदोलन के दौरान अर्जित मूल्य-बोध और नैतिक-दृष्टि को स्वाभाविक तौर पर जगह मिली। इस मूल्य-बोध नैतिक-दृष्टि सिर्फ का बनाव सिर्फ भारतीय अनुभवों से न बनकर दुनिया भर के अनुभवों के सहयोजन-संयोजन और सम्मानजनक समायोजन से बना था।

नागरिक समाज को भी नागरिक कारणों से कांग्रेस की 'हार की समीक्षा' करनी चाहिए। इस समीक्षा के दौरान कांग्रेस को हुई राजनीतिक क्षति को विश्लेषित करते हुए भारत के लोकतंत्र को होनेवाली क्षति को चिह्नित करना अधिक जरूरी है। क्योंकि लोकतंत्र में चुनावी हार-जीत अंततः जन-हित से जुड़ा मामला भी होता है।

राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ का विचारधारात्मक लगाव वर्ण-व्यवस्था आधारित समाज व्यवस्था से ही रहा है, आज भी है। राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ के विचारधारात्मक लगाव के प्रति राई-रत्ती सम्मान भारत के संविधान में नहीं है। संविधान परिषद की सभाओं में इन मुद्दों पर बहुत गंभीर चर्चा हुई थी। संविधान परिषद की सभाओं में विचार-विमर्श के प्रयोग और विवेक-पूर्ण पराक्रम को बिना किसी पूर्व-आग्रह के देखा जाये तो मोटे तौर पर तीन श्रेणियां बन सकती हैं। पहली श्रेणी, वह जो बहुत पुरानी शैली इस्लाम और मुसलमान के आगमन के पहले ब्राह्मण युग की समाज व्यवस्था की तरफ बढ़ना चाहते थे। उन के अनुसार यही वह समय था जब भारत ह्यसोने की चिड़ियाह्न था। दूसरी श्रेणी, वह जो बौद्ध मूल्य-बोध के आधार पर सामाजिक संरचना का पुनर्गठन चाहते थे। उन के अनुसार समतामूलक मानवतावादी समाज व्यवस्था को इसी पुनर्गठन के माध्यम से हासिल किया जा सकता है। तीसरी श्रेणी वह, जो ब्राह्मण-बौद्ध दोनों के सार्थक मूल्य-बोध को आत्मसात कर उन से आगे निकलते हुए आधुनिक, समतामूलक और प्रगतिशील समाज व्यवस्था कायम करना चाहते थे।

बन रही नई विश्व-व्यवस्था में यह तीसरी श्रेणी सब से अधिक उपयुक्त थी। बन रही इस नई विश्व-व्यवस्था की तरफ हल्का इशारा करना यहां जरूरी है। भारत की आजादी के आंदोलन के दौर की चार बड़ी घटनाओं को संदर्भ में लेने से उस बन रही नई विश्व-व्यवस्था की झलक जरूर दिख सकती है। औद्योगिक क्रांति, सोवियत संघ का अस्तित्व में आना, फासीवाद की जकड़न और दो-दो विश्व-युद्ध का होना। हां। निश्चित ही, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना और संबंधित विश्व संस्थाओं को भी बन रही नई विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण घटक मानने से इनकार नहीं किया जा सकता है। आजादी के आंदोलन के प्रतीक महात्मा गांधी जिस नैतिक-लोकतंत्र की बात करते थे। उस नैतिक-लोकतंत्र की तात्विक अवधारणा पहली श्रेणी के अधिक निकट थी। इस नैतिक-लोकतंत्र के मूल में यह विश्वास सक्रिय था कि शोषण करनेवाला शोषित होनेवाले की सहन सीमा का उल्लंघन न करे। शोषक को चाहिए कि शोषण के वक्त ईश्वर का ध्यान रखे और 'आध्यात्मिक चेतना' को जागृत रखे।

यह समझ में आने लायक बात है कि कांग्रेस की विभिन्न सरकारों ने संविधान के कई लोक कल्याणकरी प्रावधानों को लागू करने कि दिशा में वैसा प्रयास नहीं किया जैसे प्रयास की उम्मीद कांग्रेस से थी। गैर-कांग्रेसवाद का आह्वान करनेवाले डॉ राममनोहर लोहिया के नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन की लंबी कतार खड़ी हो गई। विचारधारात्मक कारणों के अलावा भी समाजवादी दलों के बिखरावों के कई कारण रहे हैं। सत्ता की राजनीति में समाजवादी आंदोलन को बनाये रखकर भी समाजवादी नेता विचारधारात्मक लक्ष्य को प्राथमिकता देते हुए अपनी राजनीति से समाजवादी कार्रवाई को आगे बढ़ाने से वे लगातार चूकते रहे। वैसे यहां केवल समाजवादी आंदोलन के 'फिनिश्ड प्रोडक्ट' नीतीश कुमार की ही बात नहीं की जा रही है। लेकिन करनेवाले ऐसा कर ही सकते हैं।

कांग्रेस के संस्करण की विभिन्न पार्टियों, समाजवादी धारा की पार्टियों, बहुजन राजनीति की पार्टियों और कम्युनिस्ट पार्टियों की राजनीतिक और सांगठनिक चेतना में जितना भी फर्क हो भेद-भाव मुक्त जाति-वर्ण-धर्म निरपेक्ष समाज व्यवस्था को हासिल करने की आकांक्षा में कोई मौलिक फर्क नहीं है, हां अपनी-अपनी सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठ-भूमि के कारण तेजी और तीखेपन में जरूर फर्क है। इस अर्थ में भारतीय जनता पार्टी इन सभी पार्टियों से भिन्न दृष्टि और दिशा की राजनीतिक पार्टी है। यहां तक कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ की विचारधारात्मक पृष्ठ-भूमि के कारण हिंदुत्व की राजनीति से जुड़ी शिव सेना भी भारतीय जनता पार्टी से भिन्न मिजाज की राजनीतिक पार्टी रही है। राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ की पृष्ठ-भूमि के अलावा अन्य कारणों की अनदेखी नहीं की जा रही है, लेकिन यहां इतना ही प्रयोज्य है।

आज कांग्रेस पर सभी हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस खुद भी हरियाणा विधानसभा चुनाव में 'हार की समीक्षा' कर रही है। 'न्याय योद्धा' राहुल गांधी कांग्रेस की 'हार की समीक्षा' करते हुए चुनावी तंत्र के साथ-साथ कांग्रेस के अंदर भी हार के कारणों की तलाश कर रहे हैं। चुनावी तंत्र सहित कांग्रेस के बाहर व्याप्त कारणों को चिह्नित करना बहुत मुश्किल नहीं भी हो, साबित करना थोड़ा मुश्किल तो जरूर होगा। हां, कांग्रेस के अंदर चिह्नित हार के कारणों को किस तरह से निष्पक्ष होकर निष्क्रिय करते हैं यह देखने की बात है।

नागरिक समाज को भी नागरिक कारणों से कांग्रेस की 'हार की समीक्षा' करनी चाहिए। इस समीक्षा के दौरान कांग्रेस को हुई राजनीतिक क्षति को विश्लेषित करते हुए भारत के लोकतंत्र को होनेवाली क्षति को चिह्नित करना अधिक जरूरी है। क्योंकि लोकतंत्र में चुनावी हार-जीत अंततः जन-हित से जुड़ा मामला भी होता है। यह बात साफ-साफ कहना जरूरी है कि गैर-कांग्रेसवाद की बची हुई किसी भी प्रेरणा का कोई भी अंश यदि कांग्रेस की हार में अपनी जीत देखता है तो वह हिंदुत्व की राजनीति के ही पक्ष में खड़ा साबित होने की अनिवार्यता से खुद को बचा नहीं सकता है।

अमृतवाणी

असली पूजा

एक महिला रोज मंदिर जाती थी ! एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा कि अब मैं मंदिर नही आया करूंगी! इस पर पुजारी ने पूछा–क्यों? महिला बोली–मैं देखती हूं लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं! कुछ ने तो मंदिर को ही गपशप करने का स्थान चुन रखा है! कुछ तो पूजा कम पाखंड, दिखावा ज्यादा करते हैं! इस पर पुजारी ने कहा–सही है ! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले क्या आप मेरे कहने से कुछ कर सकती हैं? महिला बोली- आप बताइए क्या करना है? पुजारी ने कहा, एक गिलास पानी भर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए , शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नहीं चाहिए! थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया। उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछे-क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? क्या आपने किसी को मंदिर में गपशप करते देखा? क्या किसी को पाखंड करते देखा? महिला बोली– नहीं मैंने ऐसा तो कुछ भी नहीं देखा। फिर पुजारी बोले –जब आप परिक्रमा लगा रही थीं झ तब आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इसमें से पानी न गिर जाए, इसलिए आपको और कुछ दिखाई नहीं दिया। अब अगली बार जब भी आप मंदिर आएं, तो वहां जिस काम के लिए आए हैं सिर्फ उसी बात पर ध्यान केंद्रित करें, अर्थात अपना ध्यान सिर्फ. परमपिता परमात्मा में ही लगाएं, फिर आपको दुनियादारी का और कुछ दिखाई नहीं देगा, सिर्फ भगवान ही दिखाई देंगे

तीखी नजर

नई-नई दौलत का नशा

राजेंद्र बज

नई-नई दौलत आदमी को उछाले मारने को प्रेरित किया करती है। वैसे यह शोध का विषय है कि आखिर दौलत में मानसिक तृप्ति के कितने प्रोटीन और विटामिन होते होंगे ? वैसे आज भी दाल-रोटी की जुगाड़ कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन आजकल के जमाने में भला दाल-रोटी से भी किसी का पेट भरता है? मान लीजिए पेट भर जाता है, तो भी मन नहीं भरता। देखते ही देखते तन के पेट का विस्तार आदमी के मन तक हो गया है। सरल शब्दों में कहा जाए तो इन दिनों मन के भूखे पेट को भरने की कोशिश में आदमी नीति-अनीति और अच्छे-बुरे का भेद भूल चुका है।

व्यवहार में देखा गया है कि चाहे जिस माध्यम से दौलत अर्जित की गई हो, लेकिन दौलत के साथ-साथ मान-सम्मान भी दौड़े-दौड़े चले आने लगा है। दूर के नाते रिश्तेदार भी उसे सगे से ज्यादा मानने लगते हैं। हालांकि अंदर ही अंदर ईर्ष्या भी करते हैं। चतुर सुजान कहते हैं कि यह कलयुग है, इसमें जो हो जाए वह कम है। अब यह अलग बात है कि दौलत से वंचित तबका ही दौलत को एक बुराई के रूप में निरूपित करता रहा है। अधिकांश दौलतमंद जमाने भर का कर्ज सर पर लिए होते हैं। इसके विपरीत जो ऐसा नहीं करते या नहीं कर पाते, बड़े फक्र के साथ कहा करते हैं कि अपने माथे पर किसी भी प्रकार का कर्ज नहीं है। शायद कि इसके चलते उन्हें अपने आप में संतत्व का बोध हुआ करता होगा। खैर, जाने दीजिए।

दरअसल हर किसी की पाचन शक्ति इतनी मजबूत नहीं होती कि वह दौलत को पचा सकें। अलग-अलग स्तर के आदमी के लिए दौलत के मायने अलग-अलग हुआ करते हैं। वैसे अपने और अपने परिवार का पेट भरने के लिए दौलत दरकार होती है। लेकिन कुछ लोग मन के इतने भूखे होते हैं कि उनकी भूख मिटाएं नहीं मिटती। हजारों कमाने वाला लाखों पाकर खुशी से झूम उठता है, तो लाखों कमाने वाला करोड़ों के सपनो में डूबा रहा करता है। आजकल के जमाने में पेट भरना एकबारगी आसान हो सकता है लेकिन मन भरना कभी आसान नहीं होता।

कभी-कभी तो आदमी अपनी दौलत को लेकर इतना मगरूर हो जाता है कि फिर किसी को कुछ नहीं समझता। एक प्रकार से दौलत एक नशा है, इसका नशा सर चढ़कर बोलता है। दौलत का नशा ही दौलतमंद को मगरूर बनाता है। हालांकि कुछ लोग होते हैं, जिन्हें आंख मूंदकर खानदानी करार दिया जा सकता है, ये दौलत पाकर भी अभिमानी नहीं होते। लेकिन ऐसे अपवाद बहुत कम देखने को मिला करते हैं। व्यवहार में देखा गया है कि नई-नई दौलत पाकर आदमी के रंग-ढंग और चाल-ढाल ही बदल जाया करती है। कुछ एक तो एकदम हवा में उड़ने लगते हैं। उनके लिए आसमान छोटा पड़ जाता है। जब ऐसा कोई दृश्य दिखाई देता है, दौलत को नशा मानने का मन करता है। वास्तव ही दौलत एक नशा तो है ही

नजरिया

सीवर में जान गंवाते सफाईकर्मी

शैलेंद्र चौहान

देश में सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान जान गंवाने वाले के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पिछले करीब पांच वर्ष में सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई करने के दौरान 400 लोगों अपनी जान गंवा चुके हैं। सरकार की तरफ से संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान यह जानकारी दी गई। दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के सरोजिनी नगर इलाके में 09 अक्टूबर 2024 को एनबीसीसी की कंस्ट्रक्शन साइट पर मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। हादसे की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई जबकि एक मजदूर की हालत काफी गंभीर है। ये मजदूर मौके पर एक सीवर की सफाई करने के लिए अंदर गए थे लेकिन अंदर जाने के बाद अचेत हो गए। इन्हें सीवर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया तो वहां चिकित्सकों ने दो मजदूरों को मृत घोषित कर दिया जबकि तीसरे की हालत गंभीर है।

14 मई 2024 को दिल्ली के मॉल में सीवर लाइन की सफाई करते समय एक व्यक्ति की मौत हुई। 4 मई 2024 को नोएडा में सीवर की सफाई करने उतरे दो मजदूरों की हुई मौत हो चुकी है। 01 मई 2024 को लखनऊ में सीवर लाइन की सफाई करने उतरे पिता-बेटे की दम घुटने से मौत हुई। 23 अप्रैल 2024 को मुजफ्फरनगर में लाइन में सफाई कर रहे दो मजदूरों की दम घुटने से मौत। ये पिछले करीब एक महीने में उत्तर भारत के वो हादसे हैं, जिनमें सफाई मजदूर सीवर में उतरे और उसमें उनकी मौत हो गई। वैसे आंकड़े ये कहते हैं कि हर साल हमारे देश में

भारत में 70 फीसदी सीवेज लाइनों की सफाई आमतौर पर होती ही नहीं है। 2015 में एक सर्वे में पता लगा था कि तब हमारे देश में 810 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स थे लेकिन चालू हालत में केवल 522 ही थे। बाकी या तो खराब थे या बनने की प्रक्रिया में थे।

सीवर सफाई के मामलों में कम से कम 100 से ज्यादा मौतें होती हैं। भारत में आमतौर पर सीवर सफाई का काम अब भी पुराने तौर तरीकों से चलता है। हालांकि कुछ मशीनें कुछ शहरों में जरूर विदेशों से मंगाई गईं, लेकिन मोटे तौर पर अब भी मजदूर मेनहोल में नीचे उतरते हैं। कई बार उसमें फंसने से तो कई बार उसकी गैस से दम घुटने के कारण जान से हाथ धो देते हैं। इस मामले में अमेरिका और यूरोप के देश तो बहुत आगे हैं, कुछ एशियाई देश भी पूरी तरह मशीनीकृत हो चुके हैं। इसे लेकर लंबे समय से आवाज उठाई जाती रही है। हैरानी की बात है कि हमारे देश में सीवर और सीवेज सफाई सिस्टम अब भी पूरी तरह पुराने तौर-तरीकों से चल रहा है। अदालती आदेशों के बावजूद इसका मशीनीकरण या आटोमेशन नहीं हो पाया है। सुप्रीम कोर्ट और अदालतें सीवर की मैन्युअल यानि मानव-आधारित सफाई को गैरकानूनी ठहरा चुकी हैं।

पिछले साल सामाजिक न्याय और अधिकार राज्य मंत्री रामदास अठावले ने संसद में एक सवाल के जवाब में बताया था कि पिछले पांच सालों में (2018-2022) सीवर सफाई से संबंधित हादसों में कम से कम 308 लोगों

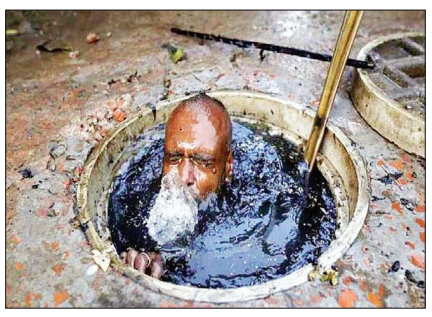

की मृत्यु हो गई। नेशनल कमीशन फॉर क्लीनिंग लेबर के आंकड़े कहते हैं कि हर साल सीवर सफाई से संबंधित हादसों में 130 से ज्यादा लोगों की जान जाती है। हमारे देश में सीवेज प्लांट्स में हर तरह की गंदगी गिरती है। इसमें सूखा, गीला, प्लास्टिक और मलबा सभी कुछ होता है। इससे जानलेवा जहरीली गैस बनने लगती है और जब कोई सफाई कर्मचारी सीवर या सैप्टिक टैंक में सफाई के लिए घुसता है तो दम घुटने की स्थिति बन जाती है। इस काम को अब पूरी तरह मशीनों से किया जाना चाहिए। भारत में 70 फीसदी सीवेज लाइनों की सफाई आमतौर पर होती ही नहीं। 2015 में एक सर्वे में पता लगा कि तब हमारे देश में 810 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स थे लेकिन चालू हालत में केवल 522 ही थे। बाकी या तो खराब थे या बनने की प्रक्रिया में थे।

दुनिया के ज्यादातर देशों ने इसके लिए मशीनीकृत और आटोमेटेड बेहद सुरक्षित प्रणाली अपना ली है। इसमें कई एशियाई मुल्क भी शामिल हैं। भारत में कुछ समय पहले सुलभ इंटरनेशनल ने बाहर से आयात करके दिल्ली में एक सीवेज क्लिनिंग मशीन पेश की थी, जिसकी कीमत तब 43 लाख थी। अब दिल्ली में ऐसी कितनी मशीनें हैं और इनसे कितना काम लिया जाता है- ये जानकारी नहीं है। मैक्सिको में सीवेज का पूरा सफाई का काम इकोलॉजिकल सेनिटेशन मॉडल पर होता है, ये मॉडल सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स से जुड़ा होता है। ये मानव अपशिष्ट को ट्रीट करता है। इसमें कूडे.को पहले चरण में अलग अलग रखा जाता है। सूखा कूड़ा अलग और द्रव आधारित वेस्ट अलग। दोनों का ट्रीटमेंट प्लांट्स में अलग तरीकों से होता है। फिर द्रव को ट्रीट करके एग्रीकल्चर के कामों में उपयोग करते हैं। अमेरिका में मशीनों का इस्तेमाल होता है। वहां इसके लिए समुचित सुरगें और उपकरण हैं। इससे ही काम होता है। इस काम में मानव का इस्तेमाल बहुत कम है. यूरोप में भी यही सिस्टम है। वहां सीवेज और सीवर की सफाई पूरी तरह नई तकनीक आधारित और मशीनों के जरिए होती है। साथ ही आटोमेटेड है. लगातार नई तकनीक से इस प्रक्रिया को बेहतर करने का काम भी चलता रहता है।

मलेशिया 1957 में आजाद हुआ और उसके बाद से ही उसने अपनी सीवर सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना शुरू किया। धीरे-धीरे सीवर सफाई को मशीन और फिर चरणबद्ध आटोमेटेड सिस्टम से रिप्लेस कर दिया गया। अब यहां सीवर से जुड़ी सफाई का सारा काम मशीनें करती हैं। मलेशिया की सीवेज इंडस्ट्री काफी बेहतर स्थिति में है। वो लगातार रिसर्च के बाद बेहतर और नए उपकरणों को पुरानों से बदलती रहती है। फिर वहां की सरकार ने सीवेज कंस्ट्रक्शन में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को सब्डाइज्ड किया हुआ है। मलेशिया में अब कोई सफाई कर्मचारी सेप्टिक टैंक में नहीं उतरता। अगर उसको लगता है कि मशीनों से भी ये साफ नहीं हो पा रहा है तो वो नया सैप्टिक टैंक ही बना देते हैं। कुछ ऐसी ही प्रक्रिया जापान और सिंगापुर में भी है।

सार संक्षेप

82 वर्ष के हुए अभिनेता अमिताभ बच्चन

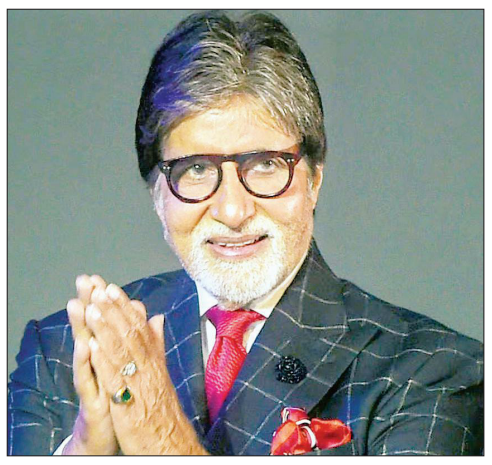

मुंबईः बॉलीवुड में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले महानायक अमिताभ बच्चन आज 82 वर्ष के हो गये। 11 अक्टूबर 1942 को इलाहाबाद में जन्में अमिताभ बच्चन ने अपने करियर की शुरुआत कोलकत्ता में बतौर सुपरवाइजर की जहां उन्हें 800 रुपये मासिक वेतन मिला करता था। वर्ष 1968 में कलकत्ता की नौकरी छोड़ने के बाद मुंबई आ गये। बचपन से ही अमिताभ बच्चन का झुकाव अभिनय की ओर था और दिलीप कुमार से प्रभावित रहने के कारण वह उन्हीं की तरह अभिनेता बनना चाहते थे । वर्ष 1969 में अमिताभ बच्चन को पहली बार ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म सात हिंदुस्तानी में काम करने का मौका मिला।लेकिन इस फिल्म के असफल होने के कारण वह दर्शकों के बीच कुछ खास पहचान नहीं बना पाये।वर्ष 1971 में अमिताभ बच्चन को राजेश खन्ना के साथ फिल्म आनंद में काम करने का मौका मिला।राजेश खन्ना जैसे सुपरस्टार के रहते हुये भी अमिताभ बच्चन दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे।इस फिल्म के लिये उन्हें सहायक अभिनेता का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया ।

महादेव सट्टा एप का मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर दुबई में गिरफ्तार

रायपुरः छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित महादेव सट्टा एप का मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर दुबई में गिरफ्तार हो गया है। यह कार्रवाई इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई, जिसे प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के अनुरोध पर जारी किया गया था। इस मामले में ईडी, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने मिलकर एक बड़ी कार्रवाई की है। सौरभ जो पहले छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक साधारण जूस की दुकान चलाता था, वह अब महादेव एप के जरिये सट्टेबाजी का बड़ा साम्राज्य खड़ा कर चुका है। उसकी गिरफ्तारी ने इस बड़े घोटाले के प्रमुख कर्तधिर्ता को कानून के शिकंजे में ला दिया है। गौरतलब है कि लगभग डेढ़ महीने पहले, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने इस घोटाले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का फैसला किया था। यह निर्णय 22 अगस्त को लिया गया था और अब इस घोटाले के 'किंगपिन' सौरभ की गिरफ्तारी हुई है। महादेव सट्टा एप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल का नाम बाकायदा एफआईआर में भी दर्ज है। कहा गया कि उन पर सरगना समेत मामले के दूसरे आरोपियों को यहां से बाहर भगाने व संरक्षण में हाथ रहा है।

किसान समेत दो लोगों की हत्या

समस्तीपुरः बिहार के समस्तीपुर जिले में अपराधियों ने एक किसान समेत दो लोगों की हत्या कर दी।

पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा ने शुक्रवार को यहां बताया कि जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव के समीप अपराधियो ने शुक्रवार सुबह किसान अरविद कुमार चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले के पटोरी थाना क्षेत्र के विशनपुर पहाड़पुर गांव में अपराधियों ने संजीत कुमार उर्फ मंटा (24) की पीट-पीटकर हत्या कर दी। संजीत इसी थाना क्षेत्र के शाहपुरउंडी गांव का निवासी था।हत्या का कारण प्रथम दृष्टया प्रेम- प्रसंग का मामला बताया गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

पाक में दो आतंकवादियों को किया ढेर

इस्लामाबादः पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में शुक्रवार सुबह आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) पर हुए आतंकवादी हमले में दो आतंकवादी मारे गए। सीटीडी की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि यह घटना साहीवाल जिले में उस समय हुई जब सीटीडी पर हमले की चेतावनी मिलने के बाद पांच आतंकवादियों को स्थानांतरित किया जा रहा था। आतंकवादियों को स्थानांतरित करने के दौरान कुछ अज्ञात आतंकवादियों ने अपने साथियों को छुड़ाने के प्रयास में सीटीडी के काफिले पर हमला किया और इसके बाद हुई गोलीबारी में गिरफ्तार किए गए दो आतंकवादी भागने की कोशिश करते हुए मारे गए। सीटीडी ने बयान में कहा गया है कि गोलीबारी के दौरान सीटीडी और जिला पुलिस कर्मी बाल-बाल बच गए। बाकी तीन आतंकवादियों को जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। मारे गए आतंकवादी पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए हमले में शामिल थे, जिसमें 13 लोग मारे गए और 20 से अधिक अन्य घायल हो गए।

भारत की निगाहें क्लीन स्वीप पर

बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा टी-20 आज शाम सात बजे से

तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है टीम इंडिया
बांग्लादेश के पास जीत के लिए आखिरी मौका

● हैदराबाद,

पहले दो मैच में आसान जीत दर्ज करके श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ आज यहां होने वाले तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरगी जिसमें उसके सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी।

भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम देकर इस टी-20 श्रृंखला में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ ही कुछ दिन पहले कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है। भारत ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-0 से जीती थी और अब वह टी-20 श्रृंखला में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन कुछ अच्छे विकल्प तैयार करने पर भी ध्यान दे रहा है। फिर चाहे वह तेज गेंदबाज मयंक यादव हों या स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, गंभीर उनके प्रदर्शन पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इन खिलाड़ियों ने भी अभी तक अपने मुख्य कोच को निराश नहीं किया है। मयंक आईपीएल 2024 के बाद चोटिल होने के कारण अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस श्रृंखला में उन्होंने 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया है। चक्रवर्ती ने ग्वालियर में पहले मैच में तीन विकेट लेकर तीन साल के बाद राष्ट्रीय टीम में सफल वापसी की है। टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी करीबी नजर रखेगा जिन्होंने दिल्ली में दूसरे टी-20 मैच में 34 गेंद पर 74 रन की धमाकेदार पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी लिए। इन सकारात्मक पहलुओं के बीच संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी का प्रदर्शन टीम के लिए चिंता का विषय होगा। सैमसन को पारी शुरू करने का मौका दिया गया लेकिन केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक इसका फायदा नहीं उठा पाया है। उन्होंने पहले मैच में 29 और दूसरे मैच में 10 रन बनाए। सैमसन को अगर यहां मौका मिलता है तो उन्हें उसे हर हाल में भुनाना होगा क्योंकि टीम प्रबंधन टीम में शामिल दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी मौका दे सकता है। टीम प्रबंधन को दूसरे सलामी बल्लेबाज अभिषेक से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो अभी तक पहले दो मैच में 15 और 16 रन ही बना पाए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

मुंबई, वार्ताः न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे। जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में विराट कोहली, केएल राहुल और सरफराज खान के साथ-साथ आकाश दीप को भी मौका मिला है। न्यूजीलैंड टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत दौरे पर आ रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 16 अक्टूबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच बेंगलुरु में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टीम रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप। ट्रैवलिंग रिजर्व: हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, मयंक यादव और प्रसिद्ध कृष्णा।

इंग्लैंड ने पाक को पहले टेस्ट में पारी और 47 रन से हराया

● मुल्तान,

हैरी ब्रूक (317) और जो रूट (262) की शानदार बल्लेबाजी के बाद जैक लीच (चार विकेट) बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन शुक्रवार को पारी और 47 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को टेस्ट मैच के पांचवें दिन गुरुवार के छह विकेट पर 152 रन से आगे खेलना शुरु किया। 49वें ओवर में जैक लीच ने सलमान आगा को (63) को पगबाधा आउट कर पाकिस्तान के मैच को ड्रा की और ढकेलने के प्रयास को जोरदार झटका दिया। आगा सलमान और आमेर जमाल ने अपने-अपने अर्धशतक भी पूरी किए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए शाहीन शाह अफरीदी (10) को भी लीच ने अपना शिकार बना लिया। इसी ओवर में उन्होंने अगले बल्लेबाज नसीम शाह (6) को स्मिथ के हाथों स्टंप कराकर पाकिस्तान की पारी का अंत कर दिया। अबरार अहमद बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। आमेर जमाल (55) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की पूरी टीम 54.5 ओवर में 220 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से जैक लीच ने चार विकेट लिये। गस ऐटकिंसन और ब्राइडन कार्स ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। किस वोक्स को एक विकेट मिला। इससे पहले इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक (317) और जो रूट (262) की शानदार बल्लेबाजों की मदद से सात विकेट पर 823 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में कप्तान शान मसूद (151), अब्दुल्लाह शफीक (102) और आगा सलमान (नाबाद 104) की पारियों के दम पर 556 का स्कोर खड़ा किया था। इंग्लैंड की ओर तिहरा शतक लगाने वाले हैरी ब्रूक को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इंग्लैंड के लिए जैक लीच ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए पाकिस्तान की दोनों पारियों में सात बल्लेबाजों को आउट किया। जो रूट दोहरा शतक जड़ कर इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज तो पहले ही बन गए थे। उन्होंने पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ दिया है। रूट ने इस मैच में 262 रनों की पारी खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 20 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। रूट के टेस्ट करियर का यह छठा दोहरा शतक था और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मैच में जो रूट और हैरी ब्रूक ने और भी कई रिकॉर्ड बनाए। क्रिकेट इतिहास में यह दूसरी बार है जब इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही पारी में दोहरे शतक लगाने का कारनामा किया है। इंग्लैंड की ओर से टेस्ट की एक ही पारी में दो दोहरा शतक बनाने का कारनामा 1985 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ग्रीम फाउलर और माइक गैटिंग ने किया था।

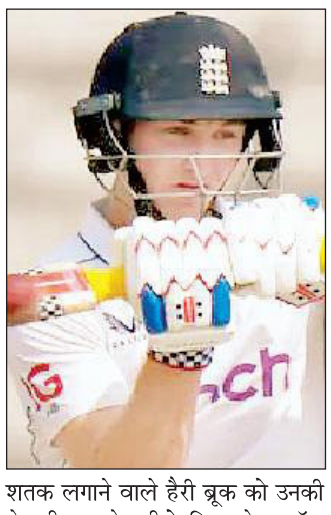

चोटिल बवुमा पहले टेस्ट से बाहर

केपटाउन, वार्ताः दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बवुमा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बांग्लादेश में 21 अक्टूबर को होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए है। अब तेम्बा की जगह पहले टेस्ट मैच में एडन मारक्रम दक्षिण अफ्रीका की अगुआई करेंगे। दक्षिण अफ्रीकी खेल परिसंघ (सीएसए) ने एक बयान में कहा कि बवुमा टीम के साथ मंगलवार को ढाका जाएंगे और वह 29 अक्टूबर को चटगांव में शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए चिकित्सा दल की देखरेख में अपनी रिकवरी जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ब्रेविस को बवुमा की जगह टीम में बुलाया गया है। उन्होंने अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। उन्होंने अब तक केवल दो टी-20 मैच खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

सुदीप की जोड़ी ने बंगाल को संभाला

लखनऊ, ब्यूरोः सुदीप चटर्जी (116) और सुदीप कुमार घरामी (90) के बीच 198 रनों की भागीदारी के बावजूद विपराज निगम (59 रन पर चार विकेट) के चलते बंगाल ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले के पहले दिन शुक्रवार को मेजबान उत्तर प्रदेश के खिलाफ पहली पारी में सात विकेट पर 269 रन पर गंवा दिए। इकाना स्टेडियम पर दिन का खेल खत्म होने के समय शाहबाज अहमद 26 और सूरज सिंधु जायसवाल बगैर खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। अपना पहला रणजी मैच खेल रहे विपराज का जादू इकाना की पिच पर दिखा। उन्होने न सिर्फ सुदीप घरामी का महत्वपूर्ण विकेट निकाल कर एक बड़ी साझीदारी का अंत किया बल्कि बाद में तीन अहम विकेट लेकर अपनी टीम को मुकाबले में आगे लाकर खड़ा कर दिया।

दिल्ली ने यूनाइटेड को हराया

नई दिल्ली, वार्ताः डीएसए प्रीमियर लीग के शुक्रवार को उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड एससी को 2-0 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेला गया मैच अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाया। मैच में दो गोल करने वाले संचित सिंह को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। नामी टीमों में शुमार दिल्ली एफसी ने भले ही मैच जीता लेकिन अपने नाम और पहचान के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई। पहले गोल के लिए दिल्ली एफसी को 58वें मिनट तक इंतजार करना पड़ा। पेनल्टी पर संचित ने गोल किया। इसके बाद उसने दूसरा गोल लंबी सीटी से कुछ पहले किया। गायरी, आकाश और आरिश खान ने आसान मौके गंवाए वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था।

सांस्कृतिक संबंध मजबूत बनाएंगे: भारत

मोदी ने 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी के लिए लाओस के प्रधानमंत्री को दी बधाई

● लाओस वियेनतिएन,

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्साय सिफांडोन के साथ आज यहां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय बैठक की और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए मिल कर काम करने का संकल्प लिया।

सूत्रों के अनुसार मोदी ने 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी के लिए लाओस के प्रधानमंत्री को बधाई दी। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-लाओस सभ्यतागत और समकालीन संबंधों को और मजबूत करने पर सार्थक बातचीत की। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे विकास साझीदारी, क्षमता निर्माण, आपदा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, विरासत बहाली, आर्थिक संबंध, रक्षा सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री सिफांडोन ने टाइफून यागी के बाद लाओस को प्रदान की गई भारत की बाढ़ राहत सहायता के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा भारतीय सहायता के तहत यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, वट फू की चल रही बहाली और संरक्षण द्विपक्षीय संबंधों को एक विशेष आयाम प्रदान करता है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। सिपांडोन ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका का समर्थन किया। भारत ने 2024 के लिए आसियान की अध्यक्षता के लिए लाओस का पुरजोर समर्थन किया है। बैठक के बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में रक्षा, प्रसारण, सीमा शुल्क सहयोग और मेकांग-गंगा सहयोग के तहत तीन त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (क्यूआईपी) के क्षेत्र में समझौता ज्ञापनों/समझौते का आदान-प्रदान किया गया। ये क्यूआईपी लाओ रामायण की विरासत के संरक्षण, रामायण से संबंधित भित्ति चित्रों के साथ वाट पाकिया बौद्ध मंदिर की बहाली और रामायण पर छाया कठपुतली थिएटर को समर्थन देने से संबंधित हैं।

कांग्रेस ने मांगा मप्र के उप मुख्यमंत्री का इस्तीफा

● नई दिल्ली,

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि मध्यप्रदेश में नशा का कारोबार तेजी से फैल रहा है और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवता के एक खास सहयोगी के नशा माफियाओं से कथित संबंध होने का गुजरात पुलिस तथा नारकोटिक कंट्रोल बोर्ड ने खुलासा किया है,इसलिए उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और मामले की व्यापक जांच कराई जानी चाहिए।

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी तथा कांग्रेस मीडिया समन्वयक अभय दुबे ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नशे के बढ़ते कारोबार ने युवा पीढ़ी को बर्बाद करके देश को घायल कर दिया है इसलिए इस संकट को रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने संसद में एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें बताया गया था कि देश में करीब 40 करोड़ लोग नशा करते हैं। देश में नशा करने वालों की ये संख्या हर साल करीब दो करोड़ 10 लाख बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर साल दो करोड़ रोजगार तो नहीं दिए लेकिन हर साल दो करोड़ नशा करने वाले बना दिए।श्र श्री पटवारी ने कहा,श्रकई राज्यों में ड्रग्स के तार भोपाल में पकड़े गए ड्रग्स रैकेट से जुड़े हैं। इसके दोषी पूरी तरह से श्री मोदी और उनकी सरकार है। पिछले 10 साल के कार्यकाल में भारत की एक तिहाई आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। ये आरोप सिर्फ कांग्रेस या मीडिया के नहीं हैं। हालात ये हैं कि खुद भाजपा के नेता-कार्यकर्ता भी परेशान हैं।

नोएल नवल टाटा बने टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष

रतन एन. टाटा के निधन पर शोक व्यक्त कर राष्ट्र निर्माण में उनके द्वारा दी गई सेवाओं को याद किया

● मुंबई,

स्वर्गीय रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल नवल टाटा को टाटा ट्रस्ट के विभिन्न ट्रस्टों का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और उन्हें टाटा ट्रस्ट का अध्यक्ष भी नामित किया है।

टाटा ट्रस्ट के विभिन्न ट्रस्टों के ट्रस्टियों ने शुक्रवार को यहां एक संयुक्त बैठक की। उन्होंने टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन एन. टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया और न केवल टाटा समूह बल्कि राष्ट्र निर्माण में उनके द्वारा दी गई सेवाओं को याद किया।

इसके तुरंत बाद आयोजित अलग-अलग बैठकों में सर्वसम्मति से नोएल नवल टाटा को टाटा ट्रस्ट के विभिन्न ट्रस्टों का अध्यक्ष नियुक्त करने और उन्हें टाटा ट्रस्ट का अध्यक्ष नामित करने का निर्णय लिया गया। टाटा ट्रस्ट ने एक बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

कहा - नवाचार, समावेशिता और स्थिरता के लिए हमारी स्थायी प्रतिबद्धता हमारे काम में अंतर्निहित है। हमने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जल, स्वच्छता और आजीविका, शहरी आवास, पर्यावरण और ऊर्जा और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ठोस और सतत विकास को बढ़ावा दिया है।

इस अवसर पर नोएल नवल टाटा ने कहा कि मैं अपने साथी ट्रस्टियों द्वारा मुझे दी गई जिम्मेदारी से बहुत सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूं। मैं रतन एन. टाटा और टाटा समूह के संस्थापकों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं। एक सदी से भी अधिक समय पहले स्थापित, टाटा ट्रस्ट सामाजिक भलाई के लिए एक अनूठा माध्यम है। इस पवित्र अवसर पर, हम अपने विकासात्मक और परोपकारी पहलों को आगे बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए खुद को फिर से समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि 1892 से, भारत की सबसे पुरानी परोपकारी संस्था, टाटा ट्रस्ट, समुदायों के बीच स्थायी प्रभाव पैदा करने में सबसे आगे रही है। हमारे संस्थापक, जमशेदजी टाटा के दूरदर्शी परोपकार में निहित, ट्रस्ट परिवर्तनकारी बदलाव को उत्प्रेरित करने और देश भर में समुदायों को ऊपर उठाने वाली प्रगति का नेतृत्व करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि नवाचार, समावेशिता और स्थिरता के लिए हमारी स्थायी प्रतिबद्धता हमारे काम में अंतर्निहित है। हमने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जल, स्वच्छता और सफाई, आजीविका, शहरी आवास, सामाजिक न्याय, पर्यावरण और ऊर्जा, कौशल विकास, खेल और कला और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ठोस और सतत विकास को बढ़ावा दिया है। टाटा ट्रस्ट रणनीतिक साझेदारी और दूरदर्शी अनुदान के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाता है, लगातार ऐसे अभिनव समाधान पेश करता है जो हमारे देश की उभरती जरूरतों को पूरा करते हैं।

शुक्रवार को शारदीय नवरात्रि की महानवमी के शुभ अवसर पर अपने आवास पर विधि-विधान से कन्या-पूजन करते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)